MPMETRO

METRO NEWS

01st March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Free Press	Indore	01.03.2023	02	Metro Project: Track consignment arrives	Neutral

INDORE CITY 02
www.freepressjournal.in INDORE | WEDNESDAY | MARCH 1, 2023

Metro project: Track consignment arrives

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Following in the right earnest, the stage is set to lay tracks for the Indore Metro rail and to this effect, the track consignment is also arriving.

Officials said that Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited started the work of laying ballast in the under- construction Metro depot (yard) in Gandhi Nagar from Tuesday.

After laying ballast, the track laying will also start. The process of receiving the consignment of tracks from Chhattisgarh has started. The laying of ballast has started from the viaduct portion of the yard.

As the work of laying tracks progresses further and reaches one km, the Metro authorities will start the work of electrification of the rail line.

This work is being done in the yard first, because by the middle of the year, when the Metro coaches start arriving, they will have to be kept in the yard itself, said officials.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Bhaskar	Indore	02.03.2023	02	एयरपोर्ट से 200 मीटर दूर बनेगा मेट्रो का अन्डरग्राउन्ड स्टेशन, टर्मिनल तक होगा सब-वे	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 02-03-2023 Pg-02

एयरपोर्ट से मेट्रो की कनेक्टिविटी पर खर्च होंगे 300 करोड़ रुपए

एयरपोर्ट से 200 मीटर दूर बनेगा मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन, टर्मिनल तक होगा सब-वे

भास्कर संवाददाता | इंदौर

गांधी नगर से रोबोट चौराहे तक 17.5 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है। इस बीच तय हुआ है कि मेट्रो और एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को आसान बनाने के लिए एयरपोर्ट से महज 200 मीटर दूरी पर मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन बनाया जाएगा। इस पर 300 करोड़ रुपए खर्च होंगे। एयरपोर्ट के आगमन और निर्गम गेट के बीच यह अंडरग्राउंड स्टेशन बनाया जाएगा। एक से डेढ़ साल में यह तैयार हो जाएगा।

बुधवार को सांसद शंकर लालवानी की मौजूदगी में एयरपोर्ट प्रबंधन और मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के बीच सहमति बनी। दरअसल, सुरक्षा नियमों के चलते एयरपोर्ट के आसपास निर्माण की अनुमति नहीं मिल पा रही थी। अब जल्द ही एयरपोर्ट के पास मेट्रो स्टेशन का काम शुरू होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन से एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग तक सब-वे (ट्रैवलेटर) भी बनाया जाएगा। लगेज के साथ यात्रियों को एयरपोर्ट आने व एयरपोर्ट से जाने में आसानी होगी। सांसद के साथ बैठक में एयरपोर्ट डायरेक्टर सीवी रविन्द्रन, सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर एसके शर्मा, महाप्रबंधक अजय कुमार, अतिरिक्त महाप्रबंधक अनिल जोशी व जनरल कंसल्टेंट के आर्किटेक्ट, इंजीनियर उपस्थित थे।

5.9 किमी का है सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर, इस हिस्से में 4 स्टेशन बनेंगे

17.5 किमी कॉरिडोर पर काम चल रहा है पहले चरण में

1-1 किमी पर होंगे स्टेशन, यात्री 1 मिनट में पहुंचेंगे एक से दूसरे स्टेशन

03 कोच चलेंगे ट्रायल रन के दौरान

एमजी रोड पर रूट कैसा होगा, अब तक स्पष्ट नहीं

रिंग रोड पर रोबोट चौराहा के बाद एमजी रोड पर पलासिया, राजबाड़ा होते हुए एयरपोर्ट जाने वाला रूट अंडरग्राउंड रहेगा या एलिवेटेड, इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं है। इसे लेकर व्यापारियों ने कई बार आंदोलन भी किए हैं, लेकिन एयरपोर्ट पर बनने वाला स्टेशन पहला अंडरग्राउंड स्टेशन होगा।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Free Press	Indore	02.03.2023	02	Metro, Sport complex, industrial corridor, roads in Bhopal & Indore	Neutral

Metro, sport complex, industrial corridor, roads in Bhopal & Indore

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Focus on Bhopal and Indore has been major highlight of the State budget for 2023-24. A sum of Rs 137 crore has been allocated only for Bhopal for Bhopal gas relief and rehabilitation covering medical treatment and others for gas victims. There are 5 lakh gas victims in Bhopal and the budgetary allocation for their medical treatment and rehabilitation is a major move.

Similarly, Rs 710 crore has been allocated for metro Rail in Bhopal and Indore. Rail metro project will get major boost with this allocation.

Laying thrust on Indore-Pithampur Economic Corridor, the Budget speaks about Multimodal Logistics Park being developed in 1400 hectares of land, which will boost the industrial development in the area.

Rs 25 crore has been allocated only for road maintenance in Budget in Bhopal and Indore. Recently, Chief Minister Shivraj Singh Chouhan had launched Kayakalp Yojana and released fund for road maintenance according to population of cities.

Budgetary allocation has been made for International Sports Complex and Sports Science Center in Bhopal which will develop Bhopal as sports capital as well. It was one of main demands of Bhopal Chamber of Commerce and Industries (BCCI) for promotion of sports in Bhopal. At the health front, Bhopal and Indore will also be benefited with increase of MBBS and PG (medical) seats.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	Free Press	Indore	02.03.2023	03	Metro station just 200mts from Airport	Neutral

INDORE CITY
INDORE | THURSDAY | MARCH 2, 2023 www.freepressjournal.in

Pg-03

Metro station just 200mts from Airport

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

A Metro station will be built just 200 metres away from the Devi Ahilya Airport. On Wednesday, MP Shankar Lalwani visited the airport to make an agreement between the airport and the Metro authorities, after which the place for the Metro station to be built near the airport has been decided.

The matter was stuck between Indore Metro and airport authorities for a long time and now things have fallen in place.

MP Shankar Lalwani held a meeting with various officials at the airport and the issue was resolved.

MP Lalwani said that there were some issues regarding the spot between Indore Metro, Airport Authority and the administration.

"Now, soon the work of the Metro station will start near the airport," said Lalwani.

He said that there will be a way between the arrival and departure of Indore airport to the Metro station and the airport can be reached by walking a distance of only 200 metres from the Metro station.

Along with this, for the convenience of the passengers, travelators will also be installed here so that passengers with luggage will not face any problem in coming to and from the airport.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	नई दुनिया	Indore	02.03.2023	03	मेट्रो प्रोजेक्ट मे आ जाएगी जान, तेजी से होंगे इंदौर मे काम	Neutral

नईदुनिया इंदौर, गुरुवार 02 मार्च, 2023 www.naidunia.com

03 **बजट आपके लिए**

मेट्रो 5.90 किमी हिस्से का निर्माण काफी तेजी से

पुलिस 03 नए पुलिस थाने बनाए जाएंगे इंदौर में

अस्पताल 21 करोड़ मानसिक चिकित्सालय के लिए मिले

मेट्रो प्रोजेक्ट में आ जाएगी जान, तेजी से होंगे इंदौर में काम...

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। इंदौर और भोपाल में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश सरकार ने करीब 700 करोड़ रुपये का प्रविधान इस बजट में किया है। जिससे उम्मीद है कि काम और तेजी से चलेगा। हालांकि इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट करीब 7500 करोड़ रुपयों का है। जिसके लिए केंद्र सरकार भी मदद दे रही है। इंदौर मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन का लक्ष्य अगस्त में रखा गया है। जिसके लिए सुपर प्रायोरिटी कारिडोर पर 5.9 किलोमीटर हिस्से का निर्माण काफी तेजी से किया जा रहा है। वहीं डिपो में पटरी बिछाने का काम भी शुरू हो गया है। जबकि मई से कोच भी आना शुरू हो जाएंगे।

इंदौर के एमआर 10 पर मेट्रो प्रोजेक्ट का कार्य तेजी से जारी है। खंभो को सेगमेंट से जोड़ा जा रहा है। ● नईदुनिया

यह है इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी

- एमआर 10 फ्लाईओवर से रोबोट चौराहे तक 5.29 किलोमीटर वायडक्ट का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनवरी 2023 तक पैकेज की प्रगति 66.30 प्रतिशत है।
- एमआर 10 फ्लाईओवर से शहीद बाग तक 7 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनवरी 2023 तक कार्य की प्रगति 21.48 प्रतिशत है।
- 11 किमी वायडक्ट और 9 एलिवेटेड स्टेशनों का कार्य एमआर 10 फ्लाईओवर से गांधी नगर तक प्रगति पर है। जनवरी 2023 तक कार्य की प्रगति 28.44 प्रतिशत रही।

सुपर प्रायोरिटी कारिडोर के लिए प्रगति की स्थिति

वायडक्ट : फाउंडेशन पाइलिंग का काम 99 प्रतिशत पूरा। ओपन फाउंडेशन 71 प्रतिशत पूर्ण। सबस्ट्रक्चर का काम 61 प्रतिशत पूरा। स्पान इरेक्शन का काम 60/141 पूरा हो गया है।

सुपर कारिडोर के पांच स्टेशनों के लिए प्रगति : फाउंडेशन का काम पूरा। कान्कोर्स लेवल तक पियर और पियर आर्म का काम 84 प्रतिशत पूरा हो गया है। प्लेटफार्म स्तर तक 39/70 पियर्स पूरे। आई गर्डर और पीआई गर्डर की कास्टिंग का काम चल रहा है।

- गांधी नगर में रोलिंग स्टाक डिपो में प्राथमिकता पर संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनवरी 2023 तक कार्य की प्रगति 28.49 प्रतिशत है।
- डिपो में ट्रैक का काम शुरू हो गया है। स्टैबलिंग शेड की आठ लाइनें तैयार की जानी हैं।

संपूर्ण जानकारी मेट्रो कंपनी के अधिकारियों के अनुसार

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	नई दुनिया	Indore	02.03.2023	05	एयरपोर्ट से सिर्फ 200 मीटर दूर बनेगा भूमिगत मेट्रो स्टेशन, जगह भी चुन ली	Neutral

एयरपोर्ट से सिर्फ 200 मीटर दूर बनेगा भूमिगत मेट्रो स्टेशन, जगह भी चुन ली

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। एयरपोर्ट से मात्र 200 मीटर दूर भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। बुधवार को सांसद शंकर लालवानी, एयरपोर्ट के अधिकारी और मेट्रो के अधिकारियों ने दौरा कर जगह का चुनाव किया। यह जगह बिजासन मंदिर के लिए जाने वाली सड़क के पास होगी।

दरअसल, मेट्रो और एयरपोर्ट के बीच ये मामला काफी दिनों से अटका हुआ था और अब एयरपोर्ट पर मेट्रो स्टेशन का काम शुरू होने का रास्ता खुल गया है। सांसद लालवानी ने बताया कि एयरपोर्ट इंदौर मेट्रो एवं प्रशासन के बीच मेट्रो स्टेशन को लेकर कुछ दिक्कतें थीं। इससे जगह तय नहीं हो पा रही थी। अब सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा कर इस मामले को सुलझा लिया है। अब जल्द ही एयरपोर्ट के पास मेट्रो स्टेशन का काम शुरू होगा। सांसद लालवानी ने बताया कि इंदौर एयरपोर्ट के आगमन व प्रस्थान के बीच से मेट्रो स्टेशन के लिए रास्ता होगा और सिर्फ 200 मीटर चलकर मेट्रो स्टेशन से एयरपोर्ट पहुंचा जा सकेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए यहां ट्रैवलेटर भी लगाए जाएंगे, जिससे लगेज के साथ यात्रियों को एयरपोर्ट आने और एयरपोर्ट से जाने में दिक्कत नहीं होगी। बड़े शहरों की तरह यात्री मेट्रो स्टेशन से सीधे ही टर्मिनल में प्रवेश कर जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि एयरपोर्ट का फनल एरिया आने से यहां मेट्रो स्टेशन को जमीन से ऊपर नहीं बनाया जा सकता है। इसे भूमिगत ही रखा जाएगा। यात्री भी नीचे से ही टर्मिनल में पहुंच जाएंगे। देश के कई बड़े शहरों में मेट्रो से एयरपोर्ट टर्मिनल में जाने की ऐसी ही व्यवस्था है।

इंदौर एयरपोर्ट से 200 मीटर दूरी पर बनेगा मेट्रो स्टेशन। ● नईदुनिया

- **सांसद, एयरपोर्ट और मेट्रो के अधिकारियों ने किया निरीक्षण**
- **मेट्रो स्टेशन से सीधे ही टर्मिनल में प्रवेश कर सकेंगे यात्री**

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	पत्रिका	Indore	02.03.2023	02	बजट में इंदौर की ग्रीन फ्लैग्शिप, मेट्रो को गति	Neutral

P-02

हर वर्ग का रखा ध्यान...

बेवकूफ बनाया...

मेरा शहर-मेरा बजट

सीधे तौर पर इंदौर को झुनझुना, 244 करोड़ के ग्रीन बॉन्ड जैसा सरकार ला रही सोशल इंपैक्ट बॉन्ड

बजट में इंदौर की ग्रीन फ्लैगशिप, मेट्रो को गति

बजट: मिली-जुली प्रतिक्रिया

टॉप टेन विभागों को कितना मिला बजट

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Times of India	Indore	02.03.2023	05 Offline	Eye on polls, FM allocates Rs 710 Cr for Bhopal, Indore metro projects	Neutral

Eye on polls, FM allocates ₹710cr for Bhopal, Indore metro projects

TEAM TOI

MP state Budget has allocated a sum of Rs 710 crore for Bhopal and Indore metro rail projects. Both cities have an under-construction priority corridor. External funding for the two projects is yet to be utilised. The state government is gunning for September 2023 which it has fixed as the deadline for start of priority corridor of the ambitious metro projects. The operation of Metro Rail between Indore and Bhopal will be started soon. It is our hope that the primary corridor will be completed in the year 2023-24, said finance minister Jadgish Devda here on Wednesday.

Earlier in October Madhya Pradesh Metro Rail Corporation limited (MPMRCL) official had indicated that

first trench of some $250 million dollar loan (out of $400 million) from European Investment Bank (EIB) for is expected to be released in first quarter of 2023. It was after a visit of the EIB team in Bhopal.

First phase of the Bhopal Metro project will comprise of 2 lines and 28 stations. With three major packages of the Bhopal metro project are expected to happen. 20% of the project equity is held by MP government, 20% by Union government and remainder 60% will be soft loan from EIB.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	नवभारत	इंदौर	02.03.2023	12	एयरपोर्ट से सिर्फ 2 सो मीटर की दूरी पर बनेगा मेट्रो स्टेशन	Neutral

एयरपोर्ट से सिर्फ़ 2 सौ मीटर की दूरी पर बनेगा मेट्रो स्टेशन

सांसद के समन्वय से एयरपोर्ट और मेट्रो के बीच बनी सहमति

इंदौर. देवी अहिल्या एयरपोर्ट के पास सिर्फ 200 मीटर की दूरी पर मेट्रो स्टेशन बनेगा। सांसदश्री शंकर लालवानी ने एयरपोर्ट का दौरा कर एयरपोर्ट और मेट्रो के बीच सहमति बनवाई, जिसके बाद एयरपोर्ट के पास बनने वाले मेट्रो स्टेशन की जगह तय हो गई है.

दरअसल, इंदौर मेट्रो एवं एयरपोर्ट के बीच ये प्रकरण काफी दिनों से लंबित था और अब एयरपोर्ट पर मेट्रो स्टेशन का काम शुरू होने का रास्ता खुल गया है. सांसद शंकर लालवानी ने मंगलवार को एयरपोर्ट पर विभिन्न अधिकारियों के साथ बैठक की और इस मसले को सुलझा लिया गयाहै। सांसद शंकर लालवानी ने इंदौर एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित स्टेशन की जगह देखी और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. सांसद लालवानी ने बताया कि एयरपोर्ट इंदौर मेट्रो एवं प्रशासन के बीच मेट्रो स्टेशन को लेकर कुछ दिक्कतें थी. सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा कर इस मामले को सुलझा लिया है। अब जल्द ही एयरपोर्ट के पास मेट्रो स्टेशन का काम शुरू होगा. सांसद श्री लालवानी ने बताया की इंदौर एयरपोर्ट के आगमन व प्रस्थान के बीच से मेट्रो स्टेशन के लिए रास्ता होगा और सिर्फ 200 मीटर चलकर मेट्रो स्टेशन से एयरपोर्ट पहुंचा जा सकेगा. साथ ही, यात्रियों की सुविधा के लिए यहां पर ट्रैवलेटर भी लगाए जाएंगे जिससे लगेज के साथ यात्रियों को एयरपोर्ट आने एवं एयरपोर्ट से जाने में आसानी होगी. बैठक में एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री रविन्द्रन, सुपरिटेंडेंट इंजीनियरश्री एस.के. शर्मा, इंदौर मेट्रो के महाप्रबंधक श्री अजय कुमार, अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री अनिल जोशी एवं जनरल कंसलटेंट के आर्किटेक्ट एवं इंजीनियर उपास्थित थे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Dainik Patrika	Indore	03.03.2023	02	अन्डरग्राउन्ड ट्रैक की तैयारी में कॉर्पोरैशन, वन विभाग-एयरपोर्ट की मांगी जमीन	Neutral

Pg-II

इंदौर प्राइम INDORE PRIME

पत्रिका patrika.com

इंदौर, शुक्रवार, 03 मार्च, 2023

एयरपोर्ट से रामचंद्र नगर ट्रैक की होगी शुरुआत

अंडर ग्राउंड ट्रैक की तैयारी में कॉर्पोरेशन, वन विभाग-एयरपोर्ट की मांगी जमीन

पहला अंडर ग्राउंड स्टेशन एयरपोर्ट के सामने लेगा आकार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. मध्य शहर में मेट्रो अंडर ग्राउंड या एलिवेटेड होगी, यह समय बताएगा, लेकिन यह तय हो गया है कि रामचंद्र नगर से एयरपोर्ट तक का ट्रैक अंडर ग्राउंड रहेगा। मेट्रो कॉर्पोरेशन इसका काम शुरू करने जा रहा है। मेट्रो रिंग रूट के इस हिस्से में कोई विवाद नहीं है। एयरपोर्ट होने के कारण इसे अंडर ग्राउंड ही बनाना होगा। इसकी पुष्टि कॉर्पोरेशन द्वारा अंडर ग्राउंड ट्रैक निर्माण के लिए कॉन्ट्रेक्टर कंपनी का कास्टिंग यार्ड बनाने के लिए प्रशासन को लिखे पत्र से हो रही है। एयरपोर्ट के सामने स्थित वन विभाग की जमीन इसमें मांगी गई है। शुक्रवार को इस संबंध में मेट्रो कॉर्पोरेशन व वन विभाग के बीच बैठक होने जा रही है।

गांधी नगर से शहीद पार्क तक के 17 किमी ट्रैक व डिपो का काम तेजी से हो रहा है। एलिवेटेड ट्रैक व स्टेशन आकार लेने लगे हैं। कॉर्पोरेशन ने इसके लिए आगे की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शेष 14 किमी का ट्रैक पलासिया तक एलिवेटेड रहेगा, इसके आगे एमजी रोड से राजबाड़ा होते हुए एयरपोर्ट तक अंडर ग्राउंड बनेगा। इसमें मध्य शहर के अलाइनमेंट को लेकर विवाद है। रामचंद्र नगर से आगे इसे अंडर ग्राउंड ही बनाना है, इसलिए कॉर्पोरेशन मध्य शहर के हिस्से को छोड़कर दोनों भाग के लिए टेंडर जारी करने जा रहा है।

मशीनों के लिए लगेगी जगह

दो कॉन्ट्रेक्टर कंपनियों के कास्टिंग यार्ड सुपर कॉरिडोर पर बने हैं। अधिकारियों के अनुसार, अंडरग्राउंड के लिए कास्टिंग यार्ड व एनसिलरिज बिल्डिंग बनाना हैं। कॉर्पोरेशन ने एयरपोर्ट व वन विभाग से यार्ड के लिए जमीन देने का आग्रह किया है। अंडर ग्राउंड के लिए ज्यादा हैवी मशीनें और एसेसरी लगेगी। इसके अलावा एयरपोर्ट के सामने से गांधी नगर की ओर जाने वाले ट्रैफिक का डायवर्शन भी करना होगा। जीएम अजय कुमार के अनुसार, प्रयास है कि सहमति के साथ पूरे ट्रैक का कार्य शुरू हो जाए तो इंदौर को समय से मेट्रो का लाभ मिलेगा।

METRO NEWS

04th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Nai Dunia	Indore	04.03.2023	01	काम को रफ्तार.. मेट्रो के विश्राम स्थल पर पटरी के लिए बिछाए जा रहे स्लीपर	Neutral

वर्ष 76 अंक 270
कुल पेज 20
नगर संस्करण
कीमत ₹ 6.00
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष द्वादशी 2079
इंदौर, शनिवार 04 मार्च, 2023
नईदुनिया
नई सोच, नया अंदाज
Pg-01
www.naidunia.com
इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

काम को रफ्तार ...मेट्रो के विश्राम स्थल पर पटरी के लिए बिछाए जा रहे स्लीपर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। गांधीनगर के मुहाने पर बन रहे 75 एकड़ के मेट्रो डिपो में गुरुवार का दिन काफी महत्वपूर्ण रहा। यहां पर पटरी बिछाने के लिए कांक्रीट के स्लीपर बिछाने का काम शुरू हो गया है। यहां 28 लाइनें बिछाई जाएंगी, जिनकी कुल लंबाई 25 किलोमीटर होगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से पिछले सप्ताह ही पटरियां लाई गई हैं। अगस्त में ट्रायल रन के लिए यह काफी महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों के अनुसार ट्रायल रन के लिए डिपो का काम तेजी से पूरा करना होगा। मई के अंत में कोच आ जाएंगे। उन्हें डिपो में रखा जाएगा। इसके लिए डिपो तैयार होना जरूरी है। यहां बेलास्ट बिछाने का काम तीन दिन पहले शुरू हो गया था। शुक्रवार से स्लीपर बिछाने शुरू कर दिए हैं। पटरियां भी आ गई हैं।

मेट्रो के डिपो में काम शुरू

छग से आ चुकी हैं पटरियां, अगस्त में होगा ट्रायल रन

75 एकड़ का है मेट्रो डिपो | **25** किमी लाइन डलेगी | **28** लाइनें बनेंगी, जहां रात को मेट्रो ट्रेनें खड़ी रहेंगी

गांधी नगर मेट्रो स्टेशन पर डाली जा रही हैं तीन लाइनें

स्लीपरों के सेट होने के बाद पटरी बिछाई जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि यहां 28 लाइनें रहेंगी। रात को यहां मेट्रो ट्रेनें खड़ी रहेंगी। उनका रखरखाव और निरीक्षण भी होगा। इसके लिए गांधी नगर मेट्रो स्टेशन पर तीन लाइनें डाली जा रही हैं। दो से ट्रेन कारिडोर पर चलेगी, जबकि तीसरी से डिपो में आएगी-जाएगी।

एक से तीन मिनट में ट्रेन

जानकारी के अनुसार कि 31.5 किमी का ट्रैक पूरा होने के बाद 28 ट्रेनें चलेंगी। स्टेशनों की दूरी के अनुसार एक से तीन मिनट में ट्रेन स्टेशन पर पहुंचेगी। जमीन से ऊंचाई पर बना मेट्रो ट्रैक भले ही दिखने में छोटा लगता है, लेकिन इस पर एक साथ दो ट्रेनें चल सकेंगी, वहीं दोनों ट्रेनें ट्रैक पर ही एक दूसरे को क्रास कर सकेंगी। ऐसा नहीं होगा कि एक ट्रेन स्टेशन पर हो, तभी ही दूसरी उसे क्रास कर सके।

गांधीनगर में मेट्रो ट्रेन के लिए शुक्रवार से स्लीपर बिछाने का काम शुरू हो गया है। स्लीपर सेट होने के बाद इन पर पटरियां बिछाई जाएंगी। ● नईदुनिया

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Dainik Bhaskar	Indore	04.03.2023	Pg-04	मेट्रो: डिपो में पटरियाँ बिछाने का काम शुरू, चार लेन बनाई जाएंगी	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 04-03-2023
Pg-04

मेट्रो : डिपो में पटरियां बिछाने का काम शुरू, चार लेन बनाई जाएंगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत शुक्रवार से गांधी नगर में बन रहे डिपो में पटरियां बिछाने का काम शुरू हुआ। सीमेंट के स्लीपर्स और ब्लास्ट लगाए गए। रेल के कोच जब आएंगे तो उन्हें यहीं उतारा जाएगा। डिपो में ही ट्रेन का स्टॉपिज रहेगा। इनका मेंटेनेंस और रखरखाव संबंधी सारा काम यहीं पर किया जाएगा। मेट्रो का ट्रायल रन सितंबर में होना है। इंदौर और भोपाल के लिए एक साथ ट्रेन के कोच आएंगे। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए अभी 4 ट्रेन इंदौर आएंगी। जानकारी के अनुसार डिपो में कुल 36 लेन बनाई जाएंगी। हालांकि, अभी सिर्फ 4 लेन बनाई जाएंगी, ताकि ट्रायल रन शुरू किया जा सके। इसके बाद धीरे-धीरे लेन बनाने की संख्या बढ़ाई जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	नई दुनिया	Indore	05.03.2023	Pg-04	मेगा क्रेन से स्टेशन पर लगा रहे 40 टन वजनी गर्ड	Neutral

मेगा क्रेन से स्टेशन पर लगा रहे 40 टन वजनी गर्डर, तेजी से हो रहा काम

बढ़ी रफ्तार ● गांधी नगर से ओवरब्रिज तक 5.9 किमी हिस्से में होना है मेट्रो का ट्रायल रन

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में अगस्त में मेट्रो का ट्रायल रन करने के लिए काम तेजी से चल रहा है। यहां स्टेशन पर गर्डर लगाने का काम भी शुरू हो गया है। इसके लिए जो क्रेन काम कर रही है, उसकी कीमत ही दो करोड़ रुपये से अधिक है। यह क्रेन कांट्रेक्टर ने चायना से बुलवाई है। उच्च वजन क्षमता वाली यह क्रेन 40 टन वाली पाई गर्डर और 22 टन वाली आई गर्डर को उठाकर निर्धारित जगह पर लगाती है।

सुपर कारिडोर पर गांधी नगर से ओवरब्रिज तक के 5.9 किलोमीटर के हिस्से को सुपर प्रायोरिटी कारिडोर बनाया गया है। यहीं पर अगस्त में ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मेट्रो स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। यहां पर स्टेशन का काम भी चल रहा है। इसके लिए गर्डर लगा कर उन्हें जोड़ा जा रहा है। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के अनुसार यहां पर क्रेन की सहायता से गर्डर लांच करने का काम किया जा रहा है। यह क्रेन अभी गुजरात से आई है। वहां से एक अन्य क्रेन भी आने वाली है। मूलतः क्रेन चायना से आई है।

मेट्रो स्टेशन के निर्माण के लिए सुपर कारिडोर पर चीन में निर्मित मेगा क्रेन बुलाई गई है। इस क्रेन की मदद से 22 और 44 टन वजन की गर्डर लगाई जा रही हैं। ● नईदुनिया

- स्टेशन पर 40 टन की पाई गर्डर और 22 टन की आई गर्डर लगा रहे
- काम की गति और तेज करने के लिए एक और क्रेन बुलवाई गई है

ढाई घंटे लगते हैं सेटअप जमाने में

सुपर कारिडोर पर स्टेशन का काम कर रहे इंजीनियरों के अनुसार दिनभर में पांच पाई गर्डर लग सकती हैं। इसके अलावा करीब चार आई गर्डर लग जाती हैं। काम शुरू करने के पहले पूरा वर्क प्लान बनाया जाता है। क्रेन का सेटअप जमाने में करीब ढाई से तीन घंटे का समय लग जाता है। इसके बाद एक गर्डर को लांच करने, उसे फिक्स करने में करीब ढाई से तीन घंटे लग जाते हैं। इंजीनियरों ने बताया कि इतना वजन उठाकर क्रेन पलट न जाए इसलिए काफी तैयारी की जाती है। क्रेन के पाये को नीचे लोहे के बेस से जमाया जाता है। यहां पर क्रेन के साथ दो इंजीनियर, चार आपरेटर और एक दर्जन से ज्यादा मजदूर लगते हैं।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	नई दुनिया	इंदौर	06.03.2023	03	मेट्रो ट्रेन के डिपो में पटरियों की वेल्डिंग का परीक्षण पूरा, ट्रैक पर बिछना शुरू	Neutral

मेट्रो ट्रेन के डिपो में पटरियों की वेल्डिंग का परीक्षण पूरा, ट्रैक पर बिछना शुरू

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। गांधी नगर में बन रहे मेट्रो के डिपो के लिए अब ट्रैक बिछाने के पहले स्लीपर बिछाए जा रहे हैं। इसके अलावा यहां पर पटरियों को वेल्डिंग करने का काम किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पिछले सप्ताह ही रायगढ़ से पटरियां आ गई थीं। इन्हें लगाने के लिए बेलास्ट और स्लीपर भी बिछा दिए गए हैं। वहीं पटरियों को जोड़ने के लिए वेल्डिंग का काम भी रविवार से शुरू हो गया है। अधिकारियों के अनुसार पटरियों को जोड़ने के लिए एक विशेष मशीन बुलवाई गई है। शनिवार को यह मशीन आ गई थी। जिससे पटरियों को जोड़कर देखा गया था। अब इसका परीक्षण पूरा हो गया है। अब काम में और तेजी आएगी। कोलकाता की कंपनी टैक्समोरेल पटरियां बिछाने का काम कर रही है। जो डिपो में करीब 28 लेन बिछाएगी और मेट्रो कारिडोर के करीब 31.5 किलोमीटर हिस्से में पटरी बिछाएगी।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	अग्निबाण	इंदौर	06.03.2023	10	पहले ट्रायल.. फिर गति तय होगी.. उसके बाद मेट्रो दौड़ सकेगी	Neutral

अग्निबाण 10
भोपाल, सोमवार 06 मार्च 2023

पहले ट्रायल...फिर गति तय होगी...उसके बाद मेट्रो दौड़ सकेगी

इंदौर।

शहर के वाशिंदों को मेट्रो ट्रेन में सफर का मौका तभी मिलेगा, जब रेलवे सेफ्टी ट्रायल लेकर मेट्रो ट्रेन को यात्रियों के लिहाज से सुरक्षित घोषित कर देगा। इसके बाद ट्रायल हो सकेगा।

मेट्रो के लिए भी ठीक वैसी प्रक्रिया मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी को करना होगी, जैसी रेलवे की किसी नई रेल लाइन पर यात्री ट्रेनों की आवाजाही शुरू करने के लिए की जाती है। रेलवे के सेफ्टी कमिश्नर मेट्रो स्टेशन की सुविधाओं के अलावा कोचों की स्थिति, कॉरिडोर की स्थिति का आकलन कर मेट्रो ट्रेन को यात्रियों के साथ चलाने की अनुमति देंगे। मेट्रो कंपनी गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर आठ लेन रेल ओवरब्रिज के बीच 5.50 किलोमीटर लंबे हिस्से में सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर बना रही है, यानी इसका काम सबसे पहले अगस्त-23 तक पूरा करने का लक्ष्य है। सूत्रों का कहना है कि पटरियां बिछने और स्टेशन आदि तैयार होने के बाद ट्रायल तो हो जाएगा, लेकिन यात्रियों को बैठाने से पहले ट्रैक का सीआरएस इंस्पेक्शन होगा। अन्य अनुमतियों के अलावा वे ही यह तय करेंगे कि प्रायोरिटी कॉरिडोर में मेट्रो को कितनी गति से दौड़ाया जाए।

सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री मिलना मुश्किल

हालांकि, सूत्र यह भी मानते हैं कि गांधीनगर से सुपर कॉरिडोर ब्रिज के बीच यात्री मिलना बहुत मुश्किल है। मिलेंगे भी तो बहुत सीमित संख्या में। जब तक गांधी नगर से विजयनगर या रोबोट चौराहा तक कनेक्टिविटी नहीं होगी, तब तक यात्री मिलना मुश्किल है। दूसरी तरफ एयरपोर्ट से भी मेट्रो का जल्द जोड़ा जाना जरूरी है। इसके अलावा सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के सभी मेट्रो स्टेशनों को भी यात्रियों के लिए अगस्त तक तैयार करना चुनौतीपूर्ण कार्य है।

16 स्टेशन बनना हैं शहीद पार्क तक

मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत सुपर कॉरिडोर पर छह मेट्रो स्टेशन के अलावा 10 अन्य स्टेशन भंवरासला चौराहा, एमआर-10, आईएसबीटी, चंद्रगुप्त चौराहा, हीरा नगर, बापट चौराहा, मेघदूत गार्डन, विजयनगर चौराहा, रिंग रोड स्थित रेडीसन चौराहा और शहीद पार्क (रोबोट चौराहा) पर बनाए जा रहे हैं।

MPMETRO

METRO NEWS

08th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	Free Press	Indore	09.03.2023	03	Metro Project Work at Fast Pace	Neutral

METRO PROJECT WORK AT FAST PACE

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The work on the priority corridor of the metro project is going on at a fast pace. Preparations for laying the tracks, which had reached Indore from Raigarh, are also in the final stage. The track is also almost ready by laying ballasts in the depot.

Officials said that welting of tracks was underway. At the same time, huge heavy cranes have been installed to lift girders

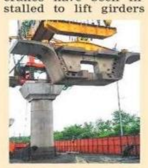

weighing about 40,000 tons, which have been procured from China.

12,000 TREES SAVED

Recently, MP Shankar Lalwani had discussed the matter with airport authorities and Metro Corporation. There are 12,000 trees planted on the forest department's land nearby. It was decided not to use the land as the airport has given consent to start work on its land. Collector Ilaiyaraaja T, municipal commissioner Pratibha Pal and officials of Metro Rail Corporation discussed it at the meeting held recently.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	नई दुनिया	इंदौर	12 .03.2023	02	मेट्रो के सखरखाव के लिए शेड हो रहे तैयार	Neutral

मेट्रो के रखरखाव के लिए शेड हो रहा तैयार

गांधी नगर में बना रहे 75 एकड़ का विशाल डिपो, अगस्त में होना है ट्रायल रन

गांधी नगर में बन रहे मेट्रो ट्रेन के डिपो में फिलहाल सिविल कार्य तेजी से जारी है। ● नईदुनिया

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो ट्रेन के लिए गांधी नगर में बन रहे 75 एकड़ के विशाल डिपो में शेड लगाने का काम तेजी से चल रहा है। यहां पर रोज ट्रेनों का निरीक्षण होगा। इसके बाद ही ट्रेन ट्रैक पर उतरेगी।

गांधी नगर में मेट्रो के डिपो में काफी तेजी से काम चल रहा है। यहां पर एक तरफ पटरी बिछाई जा रही है। वहीं दूसरी जरूरी चीजों को भी बनाया जा रहा है। प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार गांधी नगर स्टेशन से आकर ट्रेन रोज रात को यहां पर खड़ी होगी। इसके लिए ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ से पटरी बुलाई गई है। यहां पर कुल 28 लेन बनेंगी। इंस्पेक्शन वे भी बनेगा। यहां नीचे कांक्रीट काम हो गया है। वहीं शेड लगाने के लिए ढांचा भी तैयार हो चुका है। मेट्रो के संचालन के लिए यह काफी महत्वपूर्ण है।

अधिकारी बताते हैं कि इस साल अगस्त-सितंबर में प्रस्तावित करीब 5.9 किमी के प्रायोरिटी कारिडोर पर ट्रायल रन के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं। सिविल का काम मई से पहले पूरा किया जाएगा। वहीं पटरी का काम भी शुरू हो गया है। पिलरों को सेगमेंट से जोड़ने के बाद यहां पटरी बिछाने का काम भी शुरू होगा। इसका काम कोलकाता की कंपनी टैक्समो रेल को मिला है। अधिकारियों ने बताया कि वडोदरा में रेल कोच बनाने का काम भी शुरू हो गया है। हमारे अधिकारी वहां का दौरा भी कर के आए हैं। काम तेजी से चल रहा है। मई माह के अंत से कोच की डिलीवरी शुरू हो जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	दैनिक भास्कर	इंदौर	13.03.2023	02	गुजरात के सावली में आज से मेट्रो कोच बनना शुरू होंगे, अगसत तक हमे मिल जाएगी ट्रेन	Neutral

इंदौर 13-03-2023

भास्कर लाइव

इंदौर के दिल में उत्सव के रंग, पंचमी पर 3 साल बाद ऐसा माहौल

इंदौर फ्रंट पेज

गुजरात के सावली में आज से मेट्रो कोच बनना शुरू होंगे, अगस्त तक हमें मिल जाएगी ट्रेन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के तहत कोच (मेट्रो के डिब्बे) का निर्माण गुजरात के सावली संयंत्र में सोमवार से शुरू होगा। इंदौर में सुपर कॉरिडोर पर 5.9 किमी हिस्से पर ट्रायल रन होगा। पहले चरण के तहत कुल 31.46 किमी के कॉरिडोर का काम प्रस्तावित है। अगस्त तक तीन कोच वाली एक ट्रेन इंदौर पहुंच जाएगी। मेसर्स अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड वडोदरा (गुजरात) के पास सावली संयंत्र में रोलिंग स्टॉक बनाने का काम कर रही है। इंदौर व भोपाल के कोच का निर्माण यहीं होगा। सोमवार को नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह पूजन कर इसका शुभारंभ करेंगे। नगरीय प्रशासन के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह, परियोजना निदेशक अजय शर्मा, निदेशक वित्त नीति कोठारी व अन्य अधिकारी भी शामिल होंगे।

2026 में पहले चरण का काम पूरा करने का दावा

पहले चरण में 31.46 किमी में काम होना है। इसके लिए 2026 तक का लक्ष्य रखा है। अभी 17.5 किमी रूट पर तेजी से काम चल रहा है। सुपर कॉरिडोर पर तो 60 से 70 फीसदी काम हो चुका है। इसमें से 5.9 किमी के रूट पर अगस्त के अंत या सितंबर तक ट्रायल का टारगेट है। फिलहाल पटरियों को बिछाने का काम शुरू कर दिया है। यहां 75 कार (डिब्बे) प्रस्तावित हैं। कार की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर होगी।

2 ट्रेनों के बीच 90 सेकंड का फासला होगा

2 ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय 90 सेकंड का होगा। 90 किमी प्रति घंटा के हिसाब से डिजाइन तैयार की गई है। शुरू में ड्राइवर ट्रेन होगी। तीन साल बाद ट्रेन ऑपरेशन मोड में बिना ड्राइवर संचालित होगी। अत्याधुनिक टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के तहत इमरजेंसी हेल्प पॉइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफॉर्मेशन सिस्टम, वॉइस रिकॉर्डिंग सिस्टम व सीसीटीवी होंगे।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	नई दुनिया	इंदौर	13.03.2023	01	तीन कोच वाली 25 ट्रेन चलेंगी, रफ्तार 90 किमी	Neutral

Pg-01

नईदुनिया

नई सोच, नया अंदाज

इंदौर, सोमवार 13 मार्च, 2023

www.naidunia.com

इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

मेट्रो प्रोजेक्ट | वडोदरा के सावली संयंत्र यूनिट से मई में शुरू हो जाएगी कोच की डिलीवरी

तीन कोच वाली 25 ट्रेनें चलेंगी, रफ्तार 90 किमी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद तीन कोच वाली 25 ट्रेनें चलेंगी। यहां बन रहे 29 स्टेशनों पर हर 90 सेकंड में ट्रेन उपलब्ध होगी। तीन साल बाद यह ट्रेन ड्राइवरलेस हो जाएगी। अभी केवल दिल्ली में एक लाइन पर ड्राइवरलेस मेट्रो चलती है। 13 मार्च को प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह अल्स्टाम ट्रांसपोर्ट इंडिया के वडोदरा, गुजरात (सावली संयंत्र यूनिट) में मध्य प्रदेश मेट्रो के रोलिंग स्टाक के निर्माण कार्य को हरी झंडी दिखाएंगे। मई से कोच की डिलीवरी चालू हो जाएगी।

मेट्रो कंपनी के एमडी मनीष सिंह ने बताया कि इंदौर में ट्रायल रन में एक ट्रेन चलेगी। इंदौर में 75 कोच आएंगे, जिससे तीन कोच की 25 ट्रेनें चलेंगी। मेट्रो के कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर होगी। दो ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय 90 सेकंड का होगा और संचालन की गति 90 किलोमीटर प्रति घंटा डिजाइन पर प्रस्तावित है।

जानकारी अनुसार, वडोदरा की सावली संयंत्र यूनिट में नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह के साथ प्रमुख सचिव नगरी प्रशासन नीरज मंडलोई, मेट्रो एमडी मनीष सिंह, परियोजना निदेशक अजय शर्मा, निदेशक सिस्टम शोभित टंडन व मेट्रो परियोजना के अन्य अधिकारी भी जाएंगे।

29 स्टेशन बनाए जा रहे हैं विभिन्न स्थानों पर

90 सेकंड होगा दो ट्रेनों के बीच न्यूनतम समय

मेट्रो का एक कोच

लंबाई 22 मीटर

चौड़ाई 2.9 मीटर

ट्रेनों में अनेक सुविधाएं होंगी

एमडी मनीष सिंह ने बताया कि इंदौर मेट्रो अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक ग्रेड आफ आटोमेशन-4 और अनअटेंडड ट्रेन आपरेशन मोड (ड्राइवरलेस) पर आधारित होगी। इंदौर मेट्रो ड्राइवर- ट्रेन आपरेटर द्वारा चलाई जाएगी और दो से तीन साल बाद अनअटेंडड ट्रेन आपरेशन मोड में बिना ड्राइवर -आपरेटर के इनका संचालन होगा। अत्याधुनिक टेलीकम्युनिकेशन (दूरसंचार) सिस्टम के तहत इमरजेंसी हेल्प पाइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफार्मेशन सिस्टम, वायस रिकार्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी आदि सुविधाएं होंगी।

गाड़ी के परीक्षण को शुरू करने का टारगेट

इंदौर और भोपाल मेट्रो परियोजना में प्राथमिकता कोरिडोर्स में गाड़ी संचालन अप्रैल-2024 में प्रस्तावित है। इसके लिए अगस्त और सितंबर तक सभी आवश्यक कार्यों को पूर्ण करके गाड़ी के परीक्षण को शुरू करने का लक्ष्य है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Patrika	इंदौर	13.03.2023	04	आज से मेट्रो ट्रेन का निर्माण शुरू, विडियो एनालिटिक्स सिस्टम व ड्राइवरलेस भी होंगे	Neutral

विदेशी कंपनी अल्स्टॉम इंडिया करेगी निर्माण, अगस्त में मिलेगी एक-एक ट्रेन

आज से मेट्रो ट्रेन का निर्माण शुरू, वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम व ड्राइवरलेस भी होंगे

पत्रिका हमारी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंदौर-भोपाल में मैदानी स्तर पर लगातार कार्य के साथ रोलिंग स्टॉक यानी मेट्रो ट्रेन का निर्माण भी सोमवार से वडोदरा से सटे सांवली में शुरू हो जाएगा। मेट्रो का निर्माण विदेशी कंपनी अल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया करेगी। कंपनी 1 अगस्त तक एक-एक ट्रेन दोनों स्थानों के लिए उपलब्ध करवाएगी, ताकि 15 अगस्त से ट्रायल रन शुरू किया जा सके। दो मेट्रो के बीच 90 सेकंड का अंतराल और स्पीड 90 किमी प्रतिघंटा रहेगी। यह ड्राइवर लेस व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सिस्टम के साथ होगी। मेट्रो अप्रैल-2024 में प्रायोरिटी कॉरिडोर पर उतरेगी। दिसंबर-2026 से पूरे ट्रैक पर ऑपरेशन शुरू हो जाएगा।

रविवार को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के निर्देश पर नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह व मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारी सांवली पहुंच गए हैं। सोमवार को पूजा के साथ मेट्रो का निर्माण शुरू किया जाएगा। इस मौके पर कंपनी ट्रेन की खासियतों का प्रस्तुतिकरण भी देगी। एमडी मनीष सिंह ने बताया, कंपनी के संयंत्र का भी निरीक्षण किया जाएगा। पहली खेप में 3-3 डिब्बे की एक-एक ट्रेन इंदौर व भोपाल को मिलेगी। पहले ट्रायल रन होगा। इसके बाद जैसे-जैसे ट्रैक तैयार होगा, रोलिंग स्टॉक मिलते रहेंगे। इंदौर में पहली खेप में 25 ट्रेन ट्रैक पर दौड़ेंगी। इस बार बजट में भी राज्य सरकार ने 710 करोड़ दिए हैं। केसरिया रंग के पट्टे वाली मेट्रो में तीन डिब्बे होंगे। एक बार में 750 से ज्यादा यात्री सफर कर सकेंगे।

दर्द से राहत... सबसे जल्दी
5 मिनट में असर शुरू
फास्टेक
पेन रिलीफ (दर्द निवारक) टैबलेट

ये होंगी खास बातें

- इंदौर के लिए 75 डिब्बे यानी 25 ट्रेन रहेंगी। भोपाल के लिए 81 डिब्बे यानी 27 ट्रेन रहेंगी।
- मेट्रो ट्रेन के एक कार की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर रहेगी।
- अत्याधुनिक टेली कम्युनिकेशन सिस्टम में इमरजेंसी हेल्प पाइंट, पब्लिक एड्रेस, पैसेंजर इन्फॉरमेशन, वाइस रिकॉर्डिंग सिस्टम व सीसीटीवी कैमरे भी होंगे।
- बिजली आपूर्ति के लिए 750 वीडीसी पर निर्भर होगी।

ऐसी होगी हमारी मेट्रो

अपराधियों की होगी पहचान

ट्रेन ड्राइवर लेस होगी। हालांकि ट्रायल रन ड्राइवर के साथ होगा। पूरा रिंग रूट बनने के बाद इसका संचालन अत्याधुनिक सिग्नल प्रणाली गोआ-4 (ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन-4) अनअटेंडेड ट्रेन ऑपरेशन मोड-ड्राइवर लेस पर आधारित होगा। ट्रेन में वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम भी रहेगा। इससे भविष्य में अपराधियों, गुम हुए बच्चों को भी चिन्हित किया जा सकेगा। इसमें फोटो से पहचान की जाएगी। देश में अभी दिल्ली में एक लाइन पर ही ड्राइवर लेस मेट्रो चल रही है। इंदौर ऐसी दूसरी मेट्रो होगी।

एक घंटे में तय करेगी रिंग रूट

जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट से एयरपोर्ट के बीच 31 किलो मीटर की दूरी लगभग 20 मिनट में तय की जा सकेगी। सभी 27 स्टेशन पर रुकने का समय भी जोड़ लिया जाए तो कम से कम एक घंटा इस दूरी को तय करने में लगेगा।

मेट्रो के लिए अब तक हुए 14 बिजली कनेक्शन

मेट्रो चलाने में हर माह लगेगी डेढ़ करोड़ की बिजली

शहर में मेट्रो का कार्य तेजी से चल रहा है। मेट्रो संचालित करने के लिए भारी मात्रा में बिजली भी लगेगी। इसको लेकर बिजली कंपनी ने तैयारी कर रखी है। कंपनी ने मेट्रो के लिए अब तक एक बड़ा कनेक्शन और 13 छोटे कनेक्शन दिए हैं।

सरकार अगले छह माह में इंदौर में मेट्रो चलाने के प्रयास में है। इसके तहत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। पिलर के कार्य लगभग पूरे हो गए हैं और अब पटरियों व स्टेशनों के कार्य तेजी से चल रहे हैं। मेट्रो के लिए 100 किलोवाट का एक बड़ा कनेक्शन गांधीनगर क्षेत्र में दिया है, वहीं 14 छोटे कनेक्शन भी 30 किलोवाट के भौरासला व गांधीनगर के बीच स्टेशन निर्माण व अन्य कार्यों के लिए दिए गए हैं।

25 हजार वॉट से चलेगी हमारी मेट्रो

शुरुआती दौर में इंदौर शहर में मेट्रो के 5 से 6 किमी रूट तक चलाने में दैनिक लगभग पांच लाख और डेढ़ करोड़ रुपए मासिक बिजली खर्च का अनुमान है। मेट्रो ट्रेन 25 हजार वॉट से चलेगी। स्टेशनों व मेट्रो के अंदर लाइटिंग डिस्प्ले व साउंड, ऑटोमेटेड डोर के लिए भी बिजली की प्रतिदिन खपत होना है। इसलिए ट्रेक्शन, ट्रेन के अंदर व स्टेशनों आदि पर भारी बिजली खर्च का अनुमान है।

मेट्रो ट्रेन की समिति की बैठक में बिजली कंपनी के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। मेट्रो संचालन समिति की हरसंभव मदद की जा रही है। ट्रेन के लिए भी अतिउच्च दाब स्तर की बिजली समय पर प्रदान की जाएगी।

अमित तोमर, एमडी, मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Free Press	Indore	13.03.2023	03	Metro coaches factory inauguration today	Neutral

INDORE CITY 03

INDORE | MONDAY | MARCH 13, 2023 www.freepressjournal.in

Metro coaches' factory inauguration today

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The Metro project in the city is gaining speed. To keep up the momentum, minister of urban development and housing Bhupendra Singh will inaugurate the manufacturing work of rolling stock of Madhya Pradesh Metro at Alstom Transport India's Savali plant unit in Vadodara, Gujarat, said officials.

The Bhopal-Indore Metro coaches will be manufactured here in this unit.

A site tour and corporate presentation will also be given during the occasion. Along with the minister, principal secretary, urban development Neeraj Mandloi, MPMRCL managing director Manish Singh, Ajay Sharma, director (Projects) Niti Kothari, director (Finance), Shobhit Tandon director (System) and other officers from Metro will be there to attend the event.

Officials said that the metro priority corridor is expected to be operational from April 2024 in Bhopal and Indore. To achieve this, September 2023 has been kept as the deadline for trial runs.

MPMETRO

METRO NEWS

14th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Dainik Bhaskar	Indore	14.03.2023	J2	6 किमी के रूट पर होगग मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन	Positive

कोच बनने का श्रीगणेश

6 किमी के रूट पर होगा मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन

भास्कर संवाददाता | इंदौर

इस साल सितंबर में इंदौर में होने वाले मेट्रो के ट्रायल के लिए गुजरात के सांवली में सोमवार से कोच निर्माण शुरू हो गया। इंदौर में 6 किमी के रूट पर मेट्रो का ट्रायल रन होगा। इस ट्रायल रन में कोच की समय पर सप्लाय बहुत महत्वपूर्ण है। सांवली में कोच निर्माण की शुरुआत के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में नगरीय आवास एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह वर्चुअली शामिल हुए। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मेट्रो के रूप में भोपाल और इंदौर के लोगों को सुरक्षित, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर का अवसर मिलेगा। इस मौके पर नगरीय आवास एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई और मेट्रो रेल कंपनी के एमडी मनीष सिंह सांवली में कोच निर्माण से पूर्व आयोजित पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

70 से 80 फीसदी तक मेट्रो के पहले चरण का काम हो चुका

कार्यक्रम के अंत में प्रबंध संचालक और मेट्रो के अन्य अधिकारियों ने सावली संयंत्र यूनिट का अवलोकन किया गया। कोच निर्माण की प्रक्रिया को विस्तार से समझा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	Nai Dunia	इंदौर	14.03.2023	03	31 अगसत से पहले भोपाल-इंदौर को मिल जाएगी मेट्रो	Neutral

31 अगस्त से पहले भोपाल-इंदौर को मिल जाएगी मेट्रो

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। गुजरात के बडोदरा स्थित सावली में फ्रांस की अल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड ने मेट्रो रेल इंजन व कोच बनाने के लिए संयंत्र की स्थापना की है। सोमवार को मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने इस कारखाने का भोपाल से वर्चुअली शुभारंभ किया। मेट्रो रेल कंपनी के प्रबंध संचालक मनीष सिंह समेत अन्य अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। दरअसल, भूपेंद्र सिंह को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुजरात जाना था, लेकिन विधानसभा सत्र की वजह से ऐन वक्त पर उन्होंने भोपाल से ही वर्चुअली शुभारंभ किया। इस दौरान अल्सटाम इंडिया ने मप्र मेट्रो के अधिकारियों को आश्वासन दिया कि 31 अगस्त तक मेट्रो ट्रेन भोपाल और इंदौर भेज दी जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि भोपाल में पांच और इंदौर में छह किलोमीटर के प्रायरिटी कारिडोर में 31 सितंबर से पहले मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन शुरू करना है। अभी इसमें रेलवे ट्रैक बिछाया जा रहा है। बता दें कि भोपाल के लिए 81 कारों- डिब्बों (तीन कारों की 27 ट्रेन) तथा इंदौर के लिए 75 कारों- डिब्बों (तीन कारों की 25 ट्रेन) का निर्माण प्रस्तावित है।

गुजरात के सावली में नगरीय आवास एवं विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने किया मेट्रो कारखाने का वर्चुअली शुभारंभ

बिना चालक दौड़ेगी

भोपाल व इंदौर में मेट्रो ट्रेन 750 वोल्ट डीसी पर आधारित होगी। यह अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक गोवा-फोर (बैंड आफ आटोमेशन 4) अनअटेंडेंट ट्रेन आपरेशन मोड (ड्राइवरलेस) पर आधारित होगी। शुरुआत में भोपाल एवं इंदौर मेट्रो ड्राइवर द्वारा ही चलाई जाएगी। भविष्य में अनअटेंडेंट ट्रेन आपरेशन मोड में बिना ड्राइवर या आपरेटर के संचालन होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	Patrika	Indore	14.03.2023	02	तीन कोच वाली 25 ट्रेन चलें किमी	Neutral

इंदौर-भोपाल के लिए खुशखबर: गुजरात में मेट्रो रेल निर्माण का श्रीगणेश

एक मेट्रो ट्रेनः कीमत-28.26 करोड़, लंबाई-66 मीटर, यात्री क्षमता-2100

पत्रिका हमारी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंदौर व भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन 15 अगस्त से शुरू करने के लिए मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने प्रयास तेज कर दिए हैं। सोमवार को कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने गुजरात के सांवली में मेट्रो रेल निर्माण का श्रीगणेश कर दिया। इसका निर्माण मेट्रो अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया करेगी। तीन कोच की मेट्रो की लागत करीब 28.26 करोड़ रुपए आएगी। 66 मीटर लंबी ट्रेन में एक बार में 2100 यात्री सफर कर सकेंगे। इसका संचालन ड्राइवर लैस होगा, इसलिए डिपो में अत्याधुनिक सिग्नल कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का निर्माण किया जा रहा है।

सोमवार को कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह, अल्स्टॉम कंपनी के अनिल सैनी व प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय कुमार शर्मा ने कंपनी के प्लांट पर निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस दौरान मंत्री भूपेन्द्र सिंह वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा, अगस्त में हर हाल में इंदौर व भोपाल में मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करना है। मुझे विश्वास है कि कंपनी अगस्त तक मेट्रो बनाकर देगी।

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह, अल्स्टॉम कंपनी के अनिल सैनी व प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय कुमार शर्मा ने कंपनी के प्लांट पर निर्माण कार्य का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया।

1470 करोड़ में आएगी 52 ट्रेन

अल्स्टॉम इंडिया को मेट्रो के निर्माण का कॉन्ट्रेक्ट 1470 करोड़ रुपए में दिया गया है। इसमें कंपनी इंदौर को 25 व भोपाल को 27 ट्रेन देगी। कंपनी इसका संचालन और रखरखाव 15 व 7 साल के लिए करेगी। सिग्नल सिस्टम का काम भी कंपनी द्वारा ही किया जाएगा। मेट्रो निर्माण व संचालन के लिए 2160 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस तरह सिग्नल ऑपरेशन सेटअप और इलेक्ट्रिकल्स सहित मेट्रो के पूरे काम पर 3250 करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च होगी।

दिसंबर-2026 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट, इंदौर को 25 व भोपाल को 26 मिलेगी ट्रेन

काम में तेजी: सुपर कॉरिडोर पर प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम तेजी से हो रहा है। गांधी नगर से टीसीएस चौराहे तक एलिवेटेड ट्रैक नजर आने लगा है। 5 नंबर स्टेशन की छत डालने का काम भी इस सप्ताह पूरा हो जाएगा। अप्रैल के पहले सप्ताह में पटरी बिछाई जाएगी।

डिपो में बन रहा सिग्नल ऑपरेशन हाउस

इंदौर मेट्रो अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल्स व इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन सिस्टम से लैस होगी। इसके लिए डिपो में इलेक्ट्रिकल सप्लाई के लिए पॉवर हाउस और सिग्नल ऑपरेशन के लिए कंट्रोल व कमांड सेंटर तैयार हो रहा है। शुरुआत में मेट्रो का संचालन ड्राइवर करेंगे, जब पूरा ट्रैक तैयार हो जाएगा तो ऑटोमैटिक सिस्टम से संचालन होगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित इस सिस्टम को सेंटर से कंट्रोल करेंगे। हर स्टेशन पर सिग्नल रिसिविंग सिस्टम लगाए जाएंगे। बिजली का प्रवाह भी डिपो स्थित पॉवर हाउस से ही होगा।

प्रस्तुतिकरण में बताई विशेषताएं

मेट्रो कोच निर्माण का शुभारंभ करने के बाद अफसरों ने संयंत्र का अवलोकन किया। अल्स्टॉम इंडिया दिल्ली, लखनऊ मेट्रो और भारतीय रेल के लिए अत्याधुनिक कोचेस का निर्माण करती है। इंदौर को दी जाने वाली मेट्रो अत्याधुनिक होगी और इसका संचालन ड्राइवर के साथ और ड्राइवर के बिना भी हो सकेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के साथ आइटी के नए टूल्स का उपयोग भी किया जा रहा है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	Free Press	Indore	14.03.2023	03	Metro coaches to reach Bhopal, Indore by August, trail run in Sept	Positive

Metro coaches will reach Indore, Bhopal by Aug; trial runs in Sept

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Minister for urban administration Bhupendra Singh said coaches of Bhopal and Indore Metro will arrive by August and trial runs will commence at both the cities from September.

The minister was speaking while virtually inaugurating the manufacturing of coaches of Madhya Pradesh Metro Train Corporation at Alstom Transport India's Savli plant in Vadodara on Monday.

The minister hoped that Alstom, as per its reputation, will manufacture high quality and comfortable Metro coaches. The people of Bhopal and Indore will get the opportunity to travel in these comfortable and secure metro coaches, said the minister.

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan has instructed for trial run of Metro in Bhopal and Indore in September and so the task has to be completed in a time-bound manner and Alstom Company will play an important role in accomplishing this, said the minister.

Currently, Metro's civil works are underway at full speed. Under the priority corridor, trial runs of Metro in Bhopal and Indore will be done as per schedule, he added. Alstom Company's managing director assured the time-bound manufacturing of Metro coaches.

All senior officers of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation, including MD Manish Singh were present at the manufacturing plant.

Later, MD Manish Singh and other officials inspected the Savli plant. The Alstom technical team briefed the officials about the coach manufacturing process. They also informed that France's Alstom was also engaged in manufacturing Metro coaches for Delhi, Lucknow and other cities in India.

The first phase of the project will commence in December 2026 in both the cities. Under this, Bhopal will have 30.95-km Metro route while Indore will have 31.46-km. The length of the Metro train will be 22 metres and breadth will be 2.9 metres. Their operation speed will be 90 km per hour. The electricity supply will be based on 750 V DC (3rd Rail) technique. Bhopal and Indore Metro will be based on modern signalling technique GoA-4 (Grade of Automation-4) and Unattended Train Operation Mode (driverless).

In the beginning, Metro trains in Bhopal and Indore will be run by operator(s) and after two to three years, trains will be operated in unattended train operation mode. Across India, this technique is used only in one line of Delhi Metro.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Raj Express	Indore	14.03.2023	09	31 अगसत तक भोपाल ओर इं मेट्रो ट्रेन सेट	Positive

31 अगस्त तक भोपाल और इंदौर को मिलेंगे मेट्रो ट्रेन सेट

गुजरात के वडोदरा के पास मेट्रो ट्रेन के कोच बनने का काम शुरू

भोपाल, (प्रसं)। गुजरात के वड़ोदरा के पास सावली में स्थित एल्सटॉम फैक्टरी में भोपाल-इंदौर के लिए मेट्रो ट्रेन के कोच बनने का कार्य सोमवार से शुरू हो गया है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने वर्चुअली मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। मंत्री श्रीसिंह ने कहा कि आगामी 31 अगस्त तक पहली ट्रेन सेट की डिलीवरी भोपाल और इंदौर में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टाइम लाइन के अनुसार मेट्रो का कार्य चल रहा है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपने नगरों का विकास वैश्विक मापदंडों के आधार पर करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि एल्सटॉम कंपनी भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए तीन कोच की 52 ट्रेन यानी 156 कोच की आपूर्ति करेगा। भोपाल मेट्रो के लिए तीनकोच की 27 ट्रेन और इंदौर के लिए तीन कोच की 25 ट्रेन आएंगी। कोच की लंबाई 22 मीटर और चौड़ाई 2.9 मीटर रहेगी। यह ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चलेगी। ट्रेन का 15 वर्षों तक मेंटेनेंस भी कंपनी द्वारा किया जाएगा। साथ ही अनुबंध में रोलिंग स्टाफ सिग्नलिंग और दूरसंचार की आपूर्ति तथा स्थापना के लिए एक

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने वर्चुअली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

संयुक्त अनुबंध किया गया है। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई, एमडी मेट्रो रेल मनीष सिंह और अन्य अधिकारियों ने एल्सटॉम फैक्टरी का भ्रमण कर मेट्रो ट्रेन के कोच निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली। इस दौरान एल्सटॉम कंपनी के प्रमुख औलीवर, एमडी अनिल सैनी भी मौजूद थे।

भोपाल मेट्रो: भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में दो मेट्रो कॉरिडोर ऑरेंज और ब्लू लाइन का निर्माण होना है। इनकी कुल लंबाई 30.95 किलोमीटर है। आरेंज लाइन का प्राथमिकता कॉरिडोर सुभाष नगर से एम्स तक सात किलोमीटर का है।

इंदौर मेट्रो: इंदौर मेट्रो रेल परियोजना में 31.76 किलोमीटर की लंबी रिंग लाइन बननी है। इसका नाम येलो लाइन दिया गया है। प्राथमिकता कॉरिडोर गांधीनगर से रेडिसन चौराहा तक 17.28 किलोमीटर का है।

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	नई दुनिया	इंदौर	16.03.2023	3	छह करोड़ की मासिक बिजली से दोड़ेगी मेट्रो ट्रेन, वितरण कंपनी ने भी कसी कमर	Neutral

छह करोड़ की मासिक बिजली से दौड़ेगी मेट्रो ट्रेन, वितरण कंपनी ने भी कसी कमर

- एक बड़ा कनेक्शन और 13 छोटे कनेक्शन दिए गए
- 100 किलोवाट का बड़ा कनेक्शन गांधीनगर क्षेत्र में दिया गया

31.5 किमी का बनना है मेट्रो कारिडोर

25 ट्रेनें चलाई जाएंगी तीन कोच वाली

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में मेट्रो के पहले चरण का काम चल रहा है। इसमें 17.5 किमी ट्रैक के साथ डिपो का काम भी चल रहा है। अगले तीन साल में कुल 31.5 किमी का मेट्रो कारिडोर बनना है, जिस पर तीन कोच वाली 25 ट्रेनें चलाई जाएंगी। विद्युत वितरण कंपनी ने इसके लिए तैयारी कर ली है। कंपनी का अनुमान है कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद मेट्रो के संचालन में हर माह छह करोड़ रुपये की बिजली की खपत होगी।

कंपनी अधिकारियों के अनुसार पहले चरण के लिए एक बड़ा कनेक्शन और 13 छोटे कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इसी साल अगस्त-सितंबर में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल होगा। मेट्रो के लिए 100 किलोवाट का एक बड़ा कनेक्शन गांधीनगर क्षेत्र में दिया गया है। यहां 75 एकड़ में विशाल डिपो बन रहा है। वहीं 13 छोटे कनेक्शन 30 किलोवाट के भौंरासला से गांधीनगर के बीच स्टेशन निर्माण व अन्य कार्यों के लिए दिए गए हैं। शुरुआती दौर में इंदौर शहर में मेट्रो के ट्रायल रन के दौरान पांच किमी रूट तक चलाने में दैनिक लगभग पांच लाख और डेढ़ करोड़ मासिक बिजली खर्च का अनुमान है। मेट्रो ट्रेन 25 हजार वाट से चलेगी, लेकिन पूरा प्रोजेक्ट हो जाने पर मासिक छह करोड़ रुपये की बिजली खर्च होने का अनुमान है। वहीं स्टेशनों व मेट्रो के अंदर लाइटिंग डिस्प्ले, साउंड, आटोमेटेड डोर के लिए भी बड़ी मात्रा में प्रतिदिन बिजली खपत होनी है। इसका आकलन अभी से करते हुए तैयारी की जा रही है।

इंदौर मेट्रो परियोजना में पहले चरण का 17.5 किलोमीटर का काम चल रहा है। एक हिस्से का काम रेल विकास निगम व दूसरे का काम दिलीप बिल्डकान द्वारा किया जा रहा है।

रेडिसन होटल के सामने मेट्रो ट्रेन के लिए स्टेशन का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। ● नईदुनिया

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	अग्निबाण	इं दौर	17.03.2023	9	2910 यात्री कर सकेंगे सफर एक मेट्रो ट्रेन मे.. रफ्तार होगी 80 किमी प्रति घंटा	Neutral

अग्निबाण Indore _P-09_17 March 2023

प्रोजेक्ट की जानकारी स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी देंगे, विद्युतीकरण का काम भी शुरू - कर्मचारियों को सावधानी बरतने की दी जानकारी भी

2910 यात्री कर सकेंगे सफर एक मेट्रो ट्रेन में... रफ्तार होगी 80 किमी प्रति घंटा

इंदौर।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का इंदौर और भोपाल में तेजी से काम चल रहा है, ताकि दोनों शहरों में अगस्त-सितम्बर तक प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन लिया जा सके। इंदौर में गांधी नगर क्षेत्र में जहां 75 एकड़ जमीन पर डिपो का काम चल रहा है, तो साढ़े 5 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर भी पटरियां बिछाने से लेकर ट्रायल रन की तैयारियां की जा रही है। अभी बिजली कम्पनी ने भी किस तरह से विद्युतीकरण का काम होगा उसको लेकर कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। वहीं मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने तय किया है कि स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को भी मेट्रो ट्रेन के ऑपरेशन से जुड़ी सभी जानकारी दी जाएगी और अभी चल रहे कार्य का भी अवलोकन कराएंगे।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बी कोच निर्माण शुरू होने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने मेट्रो ट्रेन की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा रहने के साथ इंदौर-भोपाल में जल्द इसकी सौगात मिलने की बात भी कही। दरअसल इंदौर और भोपाल में अभी ट्रायल रन के लिए एक-एक ट्रेन कम्पनी द्वारा तैयार कर भिजवाई जाएगी। एक ट्रेन में तीन-तीन कोच रहेंगे और प्रत्येक कोच में 970 यात्री एक बार में सफर कर सकेंगे। इस तरह तीन कोच वाली एक ट्रेन में एक वक्त में 2910 यात्री सफर करेंगे। इंदौर में अभी जो 32 किलोमीटर का पहला चरण मेट्रो का तैयार किया जा रहा है उसमें कुल 25 ट्रेनें दौड़ना है। यानी एक वक्त में इन सभी ट्रेनों में 72 हजार 750 यात्री सफर कर सकेंगे। हालांकि जानकारों का कहना है कि इंदौर में अभी इतनी अधिक संख्या में यात्री नहीं मिलेंगे। क्षमता के मुताबिक तो प्रति घंटा एक लाख यात्रियों को सफर कराने की स्थिति है, लेकिन इंदौर की आबादी के मान से अभी इतनी बड़ी संख्या में यात्री नहीं मिलेंगे और लम्बे समय तक मेट्रो प्रोजेक्ट घाटे में ही रहेगा। दूसरी तरफ इलेक्ट्रीफिकेशन यानी विद्युतीकरण के कार्य की भी शुरुआत की गई है। बिजली कम्पनी ने 132 केवी की नई लाइन से बिजली आपूर्ति करने की व्यवस्था की है। इसके लिए आधा दर्जन से अधिक अलग-अलग क्षमता वाले कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं और एक अलग से ही पूरी टीम भी गठित करना पड़ेगी, ताकि 24 ही घंटे मेट्रो ट्रेन को बिजली की आपूर्ति हो सके। दूसरी तरफ मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने तय किया है कि इंदौर-भोपाल में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट की जानकारी दी जाए। इस नई तकनीक को समझाने के लिए स्कूली बच्चों को पूरे प्रोजेक्ट को दिखाया जाएगा। इस संबंध में मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह का कहना है कि स्कूली बच्चों से लेकर कॉलेज के बड़े विद्यार्थियों को मेट्रो के प्रति जागरूक करने और उसके निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। प्रोजेक्ट का भ्रमण कराने, मेट्रो स्टेशन, एंट्री, एग्जिट पाइंट, क्यूआर कोड से गेट खुलने सहित जो नई तकनीक इस्तेमाल की जा रही है उससे अवगत कराया जाएगा। एक कोच की यात्री क्षमता 970 तय की गई है, जो कि 16 टन का भार वहन कर सकेगी।

MPMETRO

METRO NEWS

18th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	नवदुनिया	इदौरं	18.03.2023	1	तैयार होने लगी मेट्रो की 'आरामगाह'	Neutral

इंदौर, शनिवार 18 मार्च 2023

नईदुनिया सिटी

इंदौर

Pg-I

www.naidunia.com

तैयार होने लगी मेट्रो की 'आरामगाह'

मिनी मेट्रो इंदौर में मेट्रो ट्रेन का काम अब उसी तेजी से चल रहा है, जिस तेजी से यह शहर हर काम में दौड़ता है। लंबे ट्रैक का काफी कुछ हिस्सा तैयार होने के बाद अब उस लैंडिंग-वे के 17 पिलर भी तैयार हो चुके हैं, जो मेट्रो ट्रेन को डिपो और शहर में बिछी पटरियों के बीच लाने-ले जाने में काम आएगा। मेट्रो का काम जिस रफ्तार से चल रहा है, उसे देख लगता है कि इस वर्ष के मध्य में जो डेडलाइन तय की गई है, तब तक इंदौर को अपनी पहली मेट्रो ट्रेन को ट्रैक पर दौड़ते देखने का आनंद मिल सकेगा।

शहर में मेट्रो के स्टेशन बनाने का काम भी अब रफ्तार पकड़ चुका है। रेडिसन चौराहा पर बन रहे भव्य स्टेशन का ढांचा अब दिखाई देने लगा है।

यूं तो इंदौर में मेट्रो दिनभर अपने ट्रैक पर दौड़ेगी, लेकिन रात्रि में जब उसे विश्राम करना होगा तो वह उस विशाल डिपो में आराम फरमाएगी, जो इन दिनों गांधी नगर में तैयार हो रहा है। यह डिपो ही मेट्रो ट्रेन की आरामगाह होगी। इसे 75 एकड़ में तैयार किया जा रहा है। यहां इतनी रफ्तार से काम चल रहा है कि अब तो डिपो में पटरी बिछाने का काम भी शुरू हो गया है।

मेट्रो के लिए गांधी नगर में बन रहे डिपो के समीप तेजी से अलग-अलग स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। ●नईदुनिया

जैसे विमान का रनवे, वैसा मेट्रो का लैंडिंग वे: गांधी नगर स्टेशन से डिपो में ट्रेन लाने-ले जाने के लिए लैंडिंग वे भी बन रहा है। इसके लिए 17 विराट पिलर तैयार हो चुके हैं। लैंडिंग वे को हम इस तरह समझ सकते हैं कि जैसे विमान को टेक आफ और लैंडिंग के लिए रनवे की आवश्यकता होती है, उसी तरह मेट्रो ट्रेन को अपने ट्रैक से डिपो में आने के लिए लैंडिंग वे की आवश्यकता होगी। दिनभर इंदौरवासियों को एक से दूसरी जगह पहुंचाने के बाद जब रात को मेट्रो ट्रेन थक जाएगी, तब इसी लैंडिंग वे से होते हुए डिपो तक जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन से ट्रेन को डिपो में लाने के लिए एक ढलान वाला पुल बनेगा, जिसमें 17 पिलर होंगे। इसे ही लैंडिंग वे कहा जाएगा। यहां सभी पिलर की पाइलिंग का काम हो गया है। ट्रेन कोच की डिलीवरी शुरू होने के पहले इसे पूरा करना है। इसके बाद ही ट्रायल रन हो सकेगा।

डिपो में चल रहे ये काम

- मेट्रो की पटरी बिछाने का काम
- कंट्रोल रूम
- बिजली सब स्टेशन
- मेट्रो लाइन
- मेट्रो इंस्पेक्शन वे

चलेंगी तीन कोच की 25 ट्रेनें

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार 31.5 किमी के मेट्रो ट्रेन कारिडोर के लिए तीन कोच वाली 25 ट्रेनें मंगवाई जा रही हैं। फ्रांस की कंपनी ने गुजरात के वडोदरा में इनका निर्माण शुरू कर दिया है। गांधीनगर डिपो में इन ट्रेनों के रखरखाव की व्यवस्था की जा रही है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से पटरियां भी आ गई हैं। अगस्त या सितंबर में ट्रायल रन होना संभावित है। उल्लेखनीय है कि गांधीनगर स्टेशन इंदौर का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्टेशन होगा। यहां तीन लाइन होंगी, जिनमें से दो से ट्रेन अपने रूट पर जाएंगी, जबकि तीसरी लाइन से ट्रेन डिपो में आएगी-जाएगी।

मेट्रो प्रोजेक्ट : एक नजर में

- **17.5** किलोमीटर का पहला चरण
- **31.5** किलोमीटर का मेट्रो कारिडोर
- **5.9** किलोमीटर का प्रायोरिटी कारिडोर, जहां होगा मेट्रो का ट्रायल
- **441** पाई गर्डर लगेंगी एक मेट्रो स्टेशन पर
- गांधी नगर स्टेशन में दूसरे फ्लोर से मिलेगी ट्रेन
- **500** करोड़ से अधिक लग रहे डिपो के निर्माण में
- **29** मेट्रो स्टेशन बनेंगे इंदौर में
- एक स्टेशन की लागत करीब **58** करोड़ रुपये
- हर स्टेशन की लम्बाई **150** मीटर और चौड़ाई **24** मीटर रहेगी।

MPMETRO

METRO NEWS

19th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	पत्रिका	इंदौर	19.03.2023	1	इंदौर प्राइम: कोच के काम का श्रीगणेश, मेट्रो डिपो ने भी पकड़ी रफ्तार	Neutral

पत्रिका

पत्रिका {इंदौर प्राइम}

INDORE PRIME

पत्रिका इंदौर, रविवार, 19 मार्च, 2023 SUNDAY patrika.com

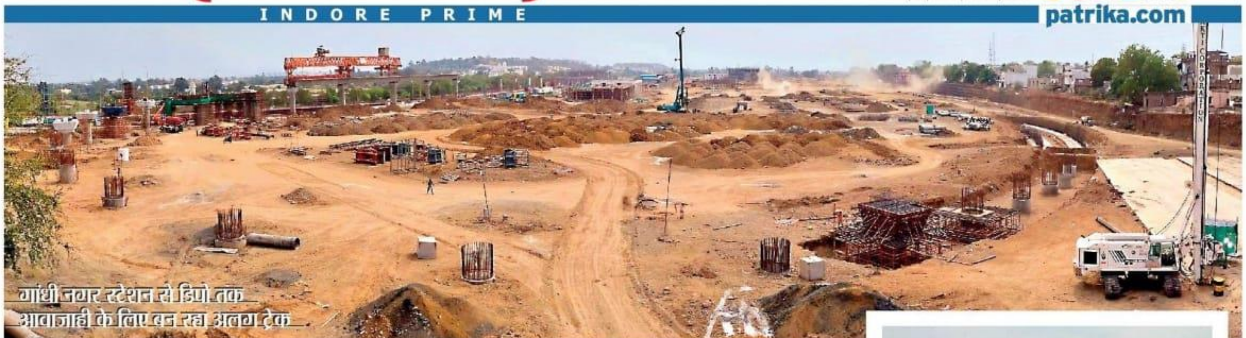

गांधी नगर स्टेशन से डिपो तक आवाजाही के लिए बन रहा अलग ट्रेक

कोच के काम का श्रीगणेश, मेट्रो डिपो ने भी पकड़ी रफ्तार

इंदौर @ पत्रिका. प्रोजेक्ट मेट्रो को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। जैसे-जैसे सुपर कॉरिडोर पर तैयार हो रहे प्रायोरिटी कॉरिडोर पर डिपो का काम तेजी पकड़ रहा है, उम्मीद की रेल भी आगे बढ़ रही है। अब तो मेट्रो ट्रेन (कोच) के काम का भी श्रीगणेश हो चुका है। सभी को उम्मीद है, अगस्त में मेट्रो की टेस्टिंग शुरू हो जाएगी। सब कुछ ठीक रहा तो अप्रेल-2024 तक मेट्रो प्रायोरिटी ट्रेक पर शहीद पार्क तक चलती नजर आएगी। वर्तमान में मेट्रो के 17 किमी के एलिवेटेड ट्रेक व स्टेशन का कार्य गांधी नगर से शहीद पार्क के बीच चल रहा है। पहले चरण का ट्रेक आइएसबीटी से शहीद पार्क तक का लगभग तैयार है। गांधी नगर से आइएसबीटी तक भी ट्रेक जमीन से ऊपर आ गया है। पीयर्स का काम अंतिम चरण में है। वायडक्ट (ट्रेक बिछाने का आधार) डालने का काम भी समान्तर जारी है। 11 किमी के इस ट्रेक में से 6 किमी तो प्रायरिटी कॉरिडोर अगस्त तक पूरा तैयार करने का लक्ष्य है।

तीन हिस्सों में चल रहा काम

डिपो के लिए तीन हिस्सों में काम चल रहा है। मुख्य प्लेटफॉर्म व यार्ड तक रेलवे ट्रेक का काम भी चल रहा है। मेट्रो कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह का कहना है कि डिजानिंग, सिग्नल और इलेक्ट्रिक वर्क का काम भी साथ-साथ चल रहा है। तय समय पर काम पूरा कर लेंगे।

Date: 19/03/2023, Edition: Indore City, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	दैनिक भास्कर	इंदौर विविध	19.03.2023	9	उद्घोषणा	Neutral

इंदौर 19-03-2023

दैनिक भास्कर | विविध | इंदौर, रविवार, 19 मार्च 2023 | 09

कार्यालय तहसीलदार, तहसील मल्हारगंज, इंदौर

क्रमांक/871/रीडर/23 **इंदौर, दिनांक : 16.03.2023**

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंदौर द्वारा इंदौर शहर में मेट्रो रेल परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। इंदौर शहर में मेट्रो रेल परियोजना हेतु रिंग लाइन (एयरपोर्ट, सुपर कॉरिडोर भंवरासला, विजय नगर, बंगाली चौराहा, पलासिया, राजवाड़ा, एयरपोर्ट) मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इस तारतम्य में एयरपोर्ट के निकट मेट्रो रेल का अंडर ग्राउंड स्टेशन निर्मित किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु प्राइवेट भूमि का अधिकृत किया जाना आवश्यक है। राजस्व निरीक्षक प्रतिवेदनानुसार ग्राम छोटा बांगडदा स्थित भूमि सर्वे नं. 103/1/33/2 (राजसिंह बाबुसिंह विजयसिंह वगैरह), 103/1/33/3 (राजसिंह बाबुसिंह विजयसिंह वगैरह), 103/1/34/4 (मोहनलाल पिता रामलाल खरोड), 103/1/34/5 (कमलेश कुमार पिता दगडु जैन), 103/1/34/3 (सुशील पिता सतीश जैन), 103/1/34/7 (मेसर्स एस एण्ड एस रियल स्टेट तर्फे राहुल निम्बोल), 103/1/34/6 (मोहनलाल पिता रामलाल खरोड), 103/1/34/5/1 (कमलेश कुमार पिता दगडु जैन) जो कि निजी स्वामित्व में दर्ज है, भू-स्वामित्व है।

उपरोक्त भूमियों में से अंश भागों में मेट्रो हेतु भूमि भू-अर्जन द्वारा अर्जित की जाना है, अतः उक्त सर्वे नम्बरों पर मौके पर कौन-2 भूमिस्वामी काबिज है। के संबंध में सीमांकन किया जाना है।

अतः हितबद्ध भूमिस्वामी स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से **विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर** भूमि संबंधी दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।

हस्ता./-

पद मुद्रा

नायब तहसीलदार
तहसील मल्हारगंज, इंदौर

म.प्र. माध्यम/109046/2023

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	अक्षरविश्व	इंदौर लोकल	19.03.2023	5	उद्घोषणा	Neutral

कार्यालय तहसीलदार, तहसील मल्हारगंज, इंदौर

क्रमांक/871/रीडर/23 इंदौर, दिनांक : 16.03.2023

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, इंदौर द्वारा इंदौर शहर में मेट्रो रेल परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। इंदौर शहर में मेट्रो रेल परियोजना हेतु रिंग लाइन (एयरपोर्ट, सुपर कॉरिडोर भंवरासला, विजय नगर, बंगाली चौराहा, पलासिया, राजवाड़ा, एयरपोर्ट) मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। इस तारतम्य में एयरपोर्ट के निकट मेट्रो रेल का अंडर ग्राउंड स्टेशन निर्मित किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु प्राइवेट भूमि का अधिकृत किया जाना आवश्यक है। राजस्व निरीक्षक प्रतिवेदनानुसार ग्राम छोटा बांगड़दा स्थित भूमि सर्वे नं. 103/1/33/2 (राजसिंह बाबुसिंह विजयसिंह वगैरह), 103/1/33/3 (राजसिंह बाबुसिंह विजयसिंह वगैरह), 103/1/34/4 (मोहनलाल पिता रामलाल खरोड़), 103/1/34/5 (कमलेश कुमार पिता दगडु जैन), 103/1/34/3 (सुशील पिता सतीश जैन), 103/1/34/7 (मेसर्स एस एण्ड एस रियल स्टेट तर्फे राहुल निम्बोल), 103/1/34/6 (मोहनलाल पिता रामलाल खरोड़), 103/1/34/5/1 (कमलेश कुमार पिता दगडु जैन) जो कि निजी स्वामित्व में दर्ज है, भू-स्वामित्व है।

उपरोक्त भूमियों में से अंश भागों में मेट्रो हेतु भूमि भू-अर्जन द्वारा अर्जित की जाना है, अतः उक्त सर्वे नम्बरों पर मौके पर कौन-2 भूमिस्वामी काबिज है। के संबंध में सीमांकन किया जाना है।

अतः हितबद्ध भूमिस्वामी स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से **विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर** भूमि संबंधी दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।

हस्ता./-

नायब तहसीलदार

तहसील मल्हारगंज, इंदौर

पद मुद्रा

म.प्र. माध्यम/109046/2023

MPMETRO

METRO NEWS

22th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
33	पीपुल्स समाचार	इंदौर	22.03.2023	2	तेज़ रफ़्तार से दौड़ रहा है मेट्रो ट्रैक का निर्माण कार्य	Positive

बदलते जमाने का अखबार

पीपुल्स समाचार

न्यूज पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

इंदौर सिटी Page: 2 March 22, 2023

तेज रफ्तार से दौड़ रहा है मेट्रो ट्रेक का निर्माण कार्य...

इंदौर। मेट्रो का काम जिस रफ्तार से चल रहा है, उसे देख लगता है कि इस वर्ष के मध्य में जो डेडलाइन तय की गई है, तब तक इंदौर को अपनी पहली मेट्रो ट्रेन को ट्रैक पर दौड़ते देखने का आनंद मिल सकेगा। पीपुल्स समाचार

MPMETRO

METRO NEWS

23rd March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
34	Free Press	इंदौर	23.03.2023	2	Start-up Park to have direct connectivity with Metro Station	Neutral

INDORE CITY Pg-02

www.freepressjournal.in INDORE | THURSDAY | MARCH 23, 2023

Start-up Park to have direct connectivity with metro stn

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Start-up Park of Indore Development Authority (IDA) that will come up at Super Corridor will have direct connectivity with metro station, announced officials on Wednesday.

Consultant firm gave a presentation on drawing design of the Start-up Park to be built on 21-acre by the IDA near Lavkush Square on the Super Corridor. During the presentation, higher officials made some important suggestions that would be incorporated in the project.

On Tuesday, the IDA had stressed that metro project should benefit the proposed Start-up Park.

Beritos (Malaysia) and Indore's Mehta & Associates jointly gave a concept presentation for Start-up Park, Hitendra and Jitendra Mehta associated with the project provided detailed information.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	पत्रिका	इंदौर	26.03.2023	2	रोबोट चोराहे से पलासिया एलेवेटेड कारिडार के लिए 495 करोड़ का टेन्डर जारी	Neutral

पत्रिका {इंदौर प्राइम}
INDORE PRIME
पत्रिका इंदौर, रविवार, 26 मार्च, 2023 SUNDAY patrika.com

मेट्रो का अगला चरण शुरू — 7 किमी रूट व रैंप बनाने का होगा काम

रोबोट चौराहे से पलासिया एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 495 करोड़ का टेंडर जारी

पत्रिका जल्द चले हमारी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. शहर में व्यावहारिक तौर पर मेट्रो कब ऑपरेट होगी, यह तो तय नहीं है, लेकिन सरकार ने पलासिया तक एलिवेटेड ट्रैक के लिए टेंडर जारी कर 2026 तक इसे बनाने का इरादा जाहिर कर दिया है।

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अब शहीद पार्क से पलासिया व इसके आगे रैंप सहित 7 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण जल्द शुरू करेगा। इस तरह इंदौर मेट्रो के 31 किमी रिंग रूट में से 24 किमी का काम शुरू हो जाएगा। शेष 7 किमी का ट्रैक अंडरग्राउंड बनाना है। यह काम कब शुरू होगा, अभी तय नहीं है। अलाइनमेंट फाइनल होने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। दूसरी ओर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर पटरी डालने का काम शुरू नहीं हो सका है। सितंबर-23 में सुपर कॉरिडोर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो उतारने के लिए कमर कस चुका कार्पोरेशन अब मेट्रो के शेष एलिवेटेड ट्रैक का काम भी शुरू करेगा। इससे मेट्रो पलासिया तक आ जाएगी। कंपनी ने 495 करोड़ का टेंडर जारी किया है। टेंडर के अनुसार इसमें कंस्ट्रक्शन कंपनी को रैंप का निर्माण भी करना है। शहीद पार्क, खजराना चौराहा, बंगाली स्क्वेयर, पत्रकार कॉलोनी होते हुए मेट्रो पलासिया पहुंच जाएगी। इसके आगे अंडरग्राउंड बनाना है। अलाइनमेंट तय नहीं होने से इस बारे में अभी कुछ भी तय नहीं है। इसके स्टेशन अलग बनेंगे। इस काम के लिए 1092 दिन तय किए हैं।

केंद्रीय मंत्रालय ने जताया असंतोष

केंद्रीय शहरी आवास व विकास मंत्रालय ने मेट्रो के कार्य पर पिछले दिनों असंतोष जताया था। मंत्रालय का कहना है, इंदौर-भोपाल के लिए अधिकारिक स्तर की कमी को पूरा करने की जरूरत है। इंदौर-भोपाल प्रोजेक्ट को एक ही प्रोजेक्ट डायरेक्टर देख रहे हैं, जबकि दोनों के अलग-अलग डायरेक्टर होने चाहिए। एमडी की नियुक्ति भी पूर्णकालिक की जाए, ताकि काम की गति प्रभावित न हो। बता दें कि इंदौर मेट्रो का 17 किमी एलिवेटेड रूट, स्टेशन व डिपो का काम जारी है।

MPMETRO

METRO NEWS

29th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
36	अग्निबाण	इंदौर	29.03.23	1	अब रोबोट से पाळसिए के बीच दौड़ेगी मेट्रो	Neutral

अब रोबोट से पलासिया के बीच दौड़ेगी मेट्रो

Pg-01

• इंदौर 29 मार्च 2023 मूल्य 2 रुपए

अग्निबाण

संस्थापक : स्व. श्री नरेशचंद्रजी चेलावत

इंदौर। शहर के विकास के लिए यह खुश खबर है कि रोबोट चौराहे तक आ पहुंची मेट्रो ट्रेन अब गति पकड़ते हुए पलासिया तक पहुंचने वाली है। रोबोट से पलासिया तक के मेट्रो कॉरिडोर और स्टेशनों के टेंडर जारी हो चुके हैं। इस पूरे इलाके में पांच स्टेशन बनेंगे, जिनमें शहीद पार्क, खजराना चौराहा, बंगाली चौराहा, पत्रकार कॉलोनी और पलासिया चौराहा शामिल रहेंगे, जहां से लोग अपने गंतव्य के लिए आगे बढ़ सकेंगे। समाचार पेज 2 पर

495 करोड़ के टेंडर जारी

तीन साल में पूरा होगा काम

शहीद पार्क से पलासिया तक मेट्रो कॉरिडोर और 5 स्टेशन बनेंगे

शहीद पार्क, खजराना चौराहा, बंगाली चौराहा, पत्रकार कॉलोनी और पलासिया स्टेशन बनेंगे

● पृष्ठ 1 से जारी
(अमित जलधारी)

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कंपनी ने मेट्रो प्रोजेक्ट के अगले चरण में शहीद पार्क (रोबोट चौराहा) से पलासिया तक मेट्रो कॉरिडोर व पांच मेट्रो स्टेशन बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने इस काम के लिए 495.32 करोड़ रुपए का टेंडर जारी कर दिया है। जो कंपनी इस हिस्से का काम लेगी, उसे तीन साल में यह काम पूरा करना होगा। आगामी चरण में शहीद पार्क, खजराना, बंगाली चौराहा, कनाड़िया रोड, पत्रकार कॉलोनी और पलासिया पर मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। खास बात यह है कि इसमें एमजी रोड पर रैंप बनाने का काम भी शामिल किया गया है।

जो टेंडर जारी किया गया है, उसमें ठेका लेने वाली कंपनी को वायाडक्ट और मेट्रो स्टेशन के अलावा दो अलग-अलग हिस्सों में रैंप भी बनाना होगा। मेट्रो कंपनी ने इन सभी कार्यों के लिए 1092 दिन (लगभग तीन साल) की मियाद तय की है। लंबे समय से शहरवासी मेट्रो का काम आगे बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि बीते दो-ढाई साल से सुपर कॉरिडोर से एमआर-10 होते हुए पूर्वी रिंग रोड के रोबोट चौराहा तक ही काम हो रहा है। आखिरकार मेट्रो कंपनी ने रोबोट चौराहा से आगे की तरफ काम करने के लिए कदम बढ़ा ही दिया।

रीगल से आगे का रूट बना पहेली

एक तरफ मेट्रो कंपनी ने एमजी रोड पर रैंप बनाने की तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन रीगल से बड़ा गणपति के बीच अभी मेट्रो कॉरिडोर का रूट फाइनल नहीं किया है। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के अड़ंगे के बाद यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है कि मेट्रो कॉरिडोर रीगल से कोठारी मार्केट, राजबाड़ा, बड़ा गणपति होते हुए एयरपोर्ट तक बनाया जाए या फिर ताई की बात मानी जाए। ताई का कहना है कि मेट्रो के लिए शहर के राजबाड़ा के बजाय कोई दूसरे वैकल्पिक रूट पर विचार होना चाहिए। सुभाष मार्ग का विकल्प भी उन्होंने सुझाया है, लेकिन इस पर घोषित रूप से अंतिम फैसला नहीं हुआ है। ताई जैसी वरिष्ठ नेता की आपत्ति के बाद कोई जनप्रतिनिधि इस मामले में कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। माना जा रहा है कि यह मामला मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के हस्तक्षेप के बाद ही सुलझेगा।

पहली बार कम चौड़ाई वाली सड़क पर बनेगा कॉरिडोर

अब तक तो मेट्रो कंपनी सुपर कॉरिडोर, एमआर-10 और पूर्वी रिंग रोड जैसी चौड़ी सड़कों पर मेट्रो कॉरिडोर बन रही है, लेकिन पहली बार इन सड़कों से बहुत कम चौड़ाई वाली कनाड़िया रोड पर काम होगा। फिलहाल जहां काम हो रहा है, वहां तो सर्विस रोड के कारण लोगों को फिर भी बहुत ज्यादा तकलीफ नहीं हुई, लेकिन जैसे-जैसे कनाड़िया रोड पर काम शुरू होगा और पलासिया की तरफ बढ़ेगा, वैसे-वैसे जनता की परेशानियां बढ़ेंगी। कई बार मेट्रो कार्य के कारण लोगों को ट्रैफिक डायवर्शन और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं से जूझना पड़ेगा। खासतौर पर बंगाली कॉलोनी से पत्रकार कॉलोनी होते हुए पलासिया के बीच सड़क 80 से 100 तो कहीं 80 फीट चौड़ी ही बनी है। रिंग रोड और बायपास पर आने-जाने के लिए हजारों वाहन चालक कनाड़िया रोड का ही उपयोग करते हैं।

ओवरहेड मेट्रो को अंडरग्राउंड करने के लिए एमजी रोड पर रैंप भी बनेगा

495.32 करोड़ रुपए का जो टेंडर मेट्रो कंपनी ने जारी किया है, उसमें एमजी रोड पर रैंप बनाने का काम भी शामिल है। इसका सीधा मतलब यही है कि मेट्रो रूट एमजी रोड (पलासिया से रीगल तिराहा के बीच) से होते हुए ही गुजरेगा। सूत्रों ने बताया कि यह रैंप ट्रेजर आईलैंड से हाईकोर्ट के बीच बनना है। एमजी रोड पर बड़ा गणपति से आगे मेट्रो अंडरग्राउंड से ओवरहेड होगी, वहां भी इसी तरह का रैंप बनाया जाएगा।

MPMETRO

METRO NEWS

30th March,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
37	नई दुनिया	इंदौर	30.03.23	7	रोबोट चोराहे से पलासिया तक 495 करोड़ में बनेगा मेट्रो ट्रैक	Neutral

रोबोट चौराहे से पलासिया तक 495 करोड़ में बनेगा मेट्रो ट्रैक

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के लिए 495 करोड़ रुपये के टेंडर दो दिन पहले जारी हो चुके हैं। इसमें रोबोट चौराहे से लेकर पलासिया चौराहे तक के करीब पांच किलोमीटर के हिस्से का काम होगा। यहां मेट्रो प्रोजेक्ट का स्वरूप एलिवेटेड रहेगा। ये काम 1092 दिन यानी तीन साल में पूरा करना होगा। हालांकि एमजी रोड से आगे मेट्रो का स्वरूप कैसा होगा। इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। जानकारी

1092 दिन में करना होगा काम पूरा, पांच स्टेशन बनेंगे

के अनुसार वर्तमान में मेट्रो के पहले चरण के 17.5 किलोमीटर का काम किया जा रहा है, जिसमें आधे हिस्से का काम रेल विकास निगम लिमिटेड और बाकी आधे हिस्से का काम दिलीप बिल्डकान द्वारा किया रहा है। फिलहाल पिलर को सेगमेंट की सहायता से जोड़ा जा रहा है। वहीं पटरी बिछाने का टेंडर भी हो चुका है। वहीं 75 एकड़ जमीन पर गांधी नगर में मेट्रो डिपो बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण के लिए फंड की अनुमति मिलने के बाद टेंडर जारी किए हैं। रोबोट चौराहे से लेकर मेट्रो खजराना, बंगाली चौराहा, कनाड़िया होते हुए पलासिया पहुंचेगी। इस ट्रैक में पांच स्टेशन बनेंगे।

आगे के ट्रैक पर संशय बरकरार

मेट्रो के मध्य क्षेत्र में मेट्रो के स्वरूप को लेकर अब तक निर्णय नहीं हो पाया है। दरअसल, पहले यहां से मेट्रो ट्रेन का भूमिगत स्वरूप होना था, जिसे लेकर व्यापारी संगठनों ने विरोध किया। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने इसका नया रूट रेसकोर्स रोड से होते हुए सुभाष मार्ग से ले जाने का सुझाव दिया था। अधिकारियों ने इसे रेलवे स्टेशन से वाया जवाहर मार्ग ले जाने का नए नया विकल्प बनाया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
38	नई दुनिया	इंदौर	31.03.23	08	मेट्रो के काम मे लगे श्रमिक को वाहन ने रोंदा, पैर कटकर गिरा, सुपर कारिडोर पर 2 घंटे चक्काजाम	Neutral

08 नईदुनिया
इंदौर, शुक्रवार 31 मार्च, 2023
प्रदेश/मालवा-निमाड़
www.naidunia.com

मेट्रो परिसर में पहुंचते ही होगी अपराधियों की पहचान

सतर्कता ● इंदौर-भोपाल मेट्रो में होगा साफ्टवेयर का इस्तेमाल

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश में पहली बार भोपाल-इंदौर मेट्रो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनेबल वीडियो एनालिटिक्स साफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे स्टेशन में प्रवेश करते ही अपराधियों या गुमशुदा बच्चों की पहचान हो जाएगी। इसके लिए मेट्रो स्टेशन के प्रतीक्षालय, रिजर्वेशन काउंटर, पार्किंग एरिया, मुख्य प्रवेश, निकास, प्लेटफार्म, फुट ओवरब्रिज, बुकिंग कार्यालय समेत मेट्रो कोच के अंदर एवं अन्य स्थानों पर चेहरा पहचानने के लिए फेशियल रिकग्निशन कैमरे लगाए जाएंगे। इससे मेट्रो स्टेशन व परिसर में हिंसा, लूट व चोरी की घटना रिकार्ड होते ही अलार्म बजेगा, इससे सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचेंगे।

क्या है आर्टिफिशियल इंटलिजेंस

आसान शब्दों में समझें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है मशीन में सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कंप्यूटर साइंस का सबसे उन्नत रूप माना जाता है। यानी, कंप्यूटर का ऐसा दिमाग, जो इंसानों की तरह सोच सके।

मप्र मेट्रो कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो ट्रेन के कोच और स्टेशन के साथ अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों में कैप्चर होने वाले वीडियो से संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा मिलान कर वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम के जरिए उसकी पहचान की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम की मदद ली जाएगी। इसकी मदद से अपराधियों का डेटा भी तैयार किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक भोपाल और इंदौर में चलने वाली मेट्रो ट्रेन गोवा-4 (ग्रेड फार आटोमेशन) तकनीक से संचालित की जाएगी। ये मेट्रो ट्रेन स्वचलित होंगी। वहीं, ट्रेन का संचालन थर्ड रेल तकनीक से किया जाएगा। यानी, मेट्रो ट्रेन पटरी में प्रवाहित करंट से संचालित होगी। इससे 40 से 45 फीसद तक ऊर्जा की बचत होगी।

> मप्र मेट्रो देश में चलने वाली मेट्रो ट्रेनों से बिल्कुल अलग होगी। इसमें कई एडवांस टेक्नोलाजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे लोगों की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक होगी। - **मनीष सिंह**, एमडी, मप्र मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
39	नई दुनिया	इंदौर सिटी	31.03.23	03	थर्ड रेल तकनीक से चलेगी हमारी मेट्रो..पटरियों से होगी बिजली की सप्लाई	Neutral

इंदौर, शुक्रवार 31 मार्च 2023

नईदुनिया सिटी

इंदौर

पेज 3

'स्टारी नाइट' से चित्रकार को नमन

मनोरंजन के साथ संदेश देने की कोशिश : निहारिका

www.naidunia.com

थर्ड रेल तकनीक से चलेगी हमारी मेट्रो...पटरियों से होगी बिजली की सप्लाई

शहर की नई लाइफ लाइन बनने जा रही मेट्रो ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। देश के दूसरे राज्यों में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट को देखकर इंदौर मेट्रो को अत्याधुनिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में अब मेट्रो ट्रेन को थर्ड रेल टेक्नोलाजी से चलाने की तैयारी कर ली गई है। इस तकनीक में ट्रेन को बिजली की आपूर्ति ट्रेन के ऊपरी हिस्से के बजाय पटरी के साथ बिछाई जाने वाली लाइन से की जाती है। गुजरात के सूरत में बन रहे मेट्रो प्रोजेक्ट में भी इसी तरह से बिजली आपूर्ति की जाएगी।

मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों का कहना है कि अगस्त-सितंबर में प्रस्तावित ट्रायल को लेकर तैयारी की जा रही है। अधिकांश बड़े टेंडर किए जा चुके हैं। करीब 5.9 किलोमीटर के इस सुपर प्रायोरिटी कारिडोर के ट्रायल के दौरान सभी सुविधाएं जुटाई जाएंगी। बाद में पूर्ण संचालन के लिए केवल इसका विस्तार ही किया जाएगा।

यह तकनीक सबसे आधुनिक

मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि रेल प्रोजेक्ट में विद्युत प्रवाह की सबसे आधुनिक तकनीक है थर्ड रेल टेक्नोलाजी। दिल्ली, अहमदाबाद, सूरत सहित अन्य मेट्रो प्रोजेक्ट के जो अगले चरण शुरू किए जा रहे हैं, उनमें इसी टेक्नोलाजी का इस्तेमाल हो रहा है। इंदौर, भोपाल में भी यही तकनीक इस्तेमाल की जाएगी, जिसमें ओवरहेड वायर की जगह पटरियों के समानांतर विद्युत लाइन डाली जाएगी। ट्रेन ड्राइवरलेस होगी और संचालन स्वचालित नियंत्रण प्रणाली के जरिए होगा। इसी प्रणाली से ट्रैकिंग, कम्युनिकेशन सहित अन्य व्यवस्थाएं चलती हैं।

यह फायदा है थर्ड रेल टेक्नोलाजी का

अधिकारियों के अनुसार पुरानी टेक्नोलाजी में मेट्रो ट्रेन को विद्युत सप्लाई ओवरहेड से किया जाता था, इस कारण ट्रैक पर पोल लगाने होते थे। कई बार आंधी, तूफान, वर्षा या अन्य कारणों से विद्युत सप्लाई प्रभावित होने का खतरा बना होता था। किंतु अब नई तकनीक में खंबे व ओवरहेड वायर का इस्तेमाल नहीं होगा, बल्कि पटरियों के समानांतर डाली गई लाइन से ही बिजली की सप्लाई होगी। इसका रखरखाव भी ओवरहेड की तुलना में आसान और सस्ता रहता है।

तीन साल बाद ड्रायवरलेस होगी हमारी मेट्रो

प्रोजेक्ट के अधिकारियों के अनुसार हमारी मेट्रो की एक अन्य विशेषता यह भी रहेगी कि यह ड्राइवरलेस होगी। यद्यपि शुरुआत में तीन वर्ष तक ट्रेन को ड्राइवर चलाएंगे, लेकिन तीन साल बाद मेट्रो ड्रायवरलेस कर दी जाएगी। इंदौर में तीन डिब्बों वाली 25 ट्रेनें चलेंगी। यहां बन रहे 29 स्टेशनों पर हर 90 सेकंड में ट्रेन उपलब्ध होगी। वर्तमान में देश में केवल दिल्ली में एक लाइन पर ड्राइवरलेस मेट्रो चलती है।

अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ चलेगी ट्रेन

इंदौर मेट्रो अत्याधुनिक सिग्नलिंग तकनीक ग्रेड आफ आटोमेशन-4 और अनअटेंडेड ट्रेन आपरेशन मोड (ड्राइवरलेस) पर आधारित होगी। अत्याधुनिक टेलीकम्युनिकेशन (दूरसंचार) सिस्टम के तहत इमरजेंसी हेल्प पाइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफार्मेशन सिस्टम, वायस रिकार्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी आदि की सुविधा होगी।

एमआर 10 ओवरब्रिज के पास तेजी से चल रहा है मेट्रो प्रोजेक्ट का काम। राजू पवार